देशबन्धु

वर्ष – 37 । अंक – 45 । भोपाल, रविवार, 15 फरवरी 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया — पृष्ठ 2

संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ / 'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ' — पृष्ठ 4

सड़क पर गड्ढों से वाहन चालक परेशान — पृष्ठ 6

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका — पृष्ठ 8

सार-समाचार

म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से मिले एस जयशंकर

म्यूनिख, एजेंसी। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी7 समूह के अपने समकक्षों संग अहम बैठक की। यहां उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत साझा हितों पर बात की। उन्होंने एक्स कुछ तस्वीरों के साथ पोस्ट लिख इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, म्यूनिख में जी7 के विदेश मंत्रियों से बात करके खुशी हुई। एजेंडे में यूएनएट80 था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत के पूर्ण सहयोग की बात मैंने दोहराई।

माकपा की एसआईआर पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची के विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को मनमाना और भेदभावपूर्ण करार देते हुए इसे तत्काल रद्द करने की मांग है। माकपा महासचिव एम ए बेबी ने चुनाव आयोग को सौंपो एक ज्ञापन में एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा है कि उसकी इस मनमानी से सब कुछ अस्त-व्यस्त हो गया है और बड़े स्तर पर लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

भारत की कठपुतलियों पर आठ स्मारक डाक टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। डाक विभाग ने 'भारत की कठपुतलियां' विषय पर शुक्रवार को आठ स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी किया है। डाक विभाग ने शनिवार को बताया कि विभाग की सचिव वंदिता कौल ने समारोहपूर्वक इन टिकटों को जारी किया और कहा कि डाक टिकट हमारे राष्ट्र की विरासत के लघु दूत हैं। भारत की समृद्ध और विविध कठपुतली परंपराओं की विशेषता को दर्शाने वाले इस विशेष अंक के माध्यम से हम उन अमर कहानीकारों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने पीढ़ियों से हमारी लोककथाओं, मूल्यों और सामूहिक स्मृति को संरक्षित रखा है।

लक्षद्वीप में मतदाताओं की कुल संख्या 57,607 हुई

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशों के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप की वर्ष 2026 की अंतिम फोटो निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई है। यह घोषणा कवरत्ती स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने की। 1 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए यह विशेष पुनरीक्षण अभियान 16 दिसंबर 2025 से 14 फरवरी 2026 तक चलाया गया। पुनरीक्षण अवधि के दौरान प्राप्त दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद शनिवार, 14 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी की गई।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ संयुक्त अभियान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट करोड़ों रुपए की हेरोइन बरामद की है। यह नशीला पदार्थ जम्मू के रणबीर सिंह पुरा (आरएस पुरा) सेक्टर में ड्रोन के माध्यम से गिराए जाने की आशंका है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए जम्मू पुलिस और बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 40 करोड़ रुपए मूल्य की बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि यह खेप ड्रोन के जरिए गिराई गई थी।

शिवकुमार से कार्ति चिदंबरम ने की मुलाकात

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने उनके आवास पर मुलाकात की। शिवकुमार ने इस बैठक को 'सार्थक' बताया और कहा कि इसमें पार्टी की सामूहिक रणनीति को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संदेश में शिवकुमार ने कहा कि आज मेरे आवास पर सांसद कार्ति पी. चिदंबरम से मुलाकात कर खुशी हुई। वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और पार्टी के सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाने पर हमारी सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने पंधाना से सवा करोड़ लाड़ली बहनों को भेजी राशि, बोले-

स्व सहायता समूह की 62 लाख बहनें हुईं आत्मनिर्भर

- खंडवा को मिली 301 करोड़ लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना की सौगात

खंडवा/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाड़ली बहनों को योजना की 33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी प्रधान है। राज्य सरकार कपास आधारित उद्योग में काम करेंगी तो उन्हें 5 हजार रुपए महीना अलग से दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए। इस अवसर पर उन्होंने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में प्रदेश की 25 लाख बहनों को 111 करोड़ की राशि भी निरंतर भेजी जा रही है। कार्यक्रम को खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक छाया गोविंद मोरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, विधायक नारायण पटेल, विधायक कंचन तन्वे, खंडवा महापौर अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह, राजपाल तोमर, इन्दौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक खण्डवा मनोज कुमार राय उपस्थित थे।

खेती में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के लिए फिर से सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वंचित पात्र हितग्राहियों को भी पक्के मकान मिल पाएं। राज्य सरकार गांव-गांव तक नल जल योजना से शुद्ध पेय जल उपलब्ध करवा रही है।

प्रेमी-प्रेमिका के शव कार में मिले

- दोनों 13 फरवरी से घर से लापता थे

नोएडा, देशबन्धु। नोएडा में वैलेंटाइन-डे के दिन प्रेमी प्रेमिका की कार लाश मिली। दोनों के शव कार के अंदर फ्रंट सीट पर थे। सुबह साफ-सफाई करने आए लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टाटा अल्ट्रोज कार का शीशा तोड़कर देखा, तो आगे की सीट पर दोनों के शव पड़े थे। दोनों के सिर में गोली लगी थी। युवक के हाथ में पिस्टल थी। बगल में दो खोखे पड़े थे। प्रेमी-प्रेमिका 13 फरवरी से घर से लापता थे। 26 साल की प्रेमिका रेखा नोएडा के सलारपुर की रहने वाली थी, जबकि प्रेमी सुमित (32) दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वह मंडल स्तर का क्रिकेटर था। बताया जा रहा है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था। शादी करने वाले थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद 13 फरवरी को सुमित ने रेखा को मैसेज भेजा- मैं मरने जा रहा हूं। इसकी जिम्मेदार रेखा है। वह मेरे साथ 15 साल रही। वादा किया था कि मुझसे शादी करेगी, लेकिन अब वह किसी और से शादी करने जा रही। मुझे रेखा ने धोखा दिया है। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं। इसके बाद वह कार लेकर घर से लापता हो गया। लड़की भी घर से गायब हो गई। लड़की उसके घरवालों ने शुक्रवार को नोएडा के सेक्टर-58 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लड़की पक्ष का आरोप कर रहा था परेशान

वहीं लड़की पक्ष के परिजनों ने आरोप लगाया कि रेखा सुमित से प्रेम नहीं करती थी। करीब छह से सात महीने पहले रेखा के कहने पर परिजनों ने सुमित को समझाया। इसके बाद उसने एक लिखित में माफी नामा भी दिया। साथ ही उसकी कई चेट भी सामने आई। परिजनों का आरोप है कि सुमित रेखा को जबरन साथ ले गया। इसके बाद उसने रेखा की हत्या की।

केन्द्रीय केबिनेट : एक लाख करोड़ के शहरी कोष को मंजूरी

- उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा बढ़ावा
- 25 फीसदी हिस्सा सहायता के रूप में दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) को मंजूरी दे दी है। इसके तहत शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए कुल एक लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता (सीए) दी जाएगी।

बैठक के बाद मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शहरी चुनौती कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का उद्देश्य लचीले, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल शहरों का निर्माण करना है ताकि शहर देश के आर्थिक विकास के अगले चरण के प्रमुख चालक बन सके। उन्होंने बताया कि इसके तहत शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सहायता के रूप में दिया जाएगा, बशर्ते परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार से जुटाया जाए।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनेगी सुरंग

असम में ब्रह्मपुत्र नदी से नीचे दो ट्यूब वाली सुरंग बनेगी जिसके एक ट्यूब से सड़क और दूसरी से रेलवे लाइन गुजरेगी। यह सुरंग असम में राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर नुमालीगढ़ और राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर गोहपुर को जोड़ेगी। परियोजना की कुल लंबाई 33.77 किमी और ट्वीन ट्यूब सुरंग की लंबाई 15.79 किमी होगी।

4 लाख करोड़ का निवेश होगा

इससे अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो अनुदान आधारित वित्तपोषण से हटकर बाजार से जुड़े, सुधार-उन्मुख और परिणाम-उन्मुख इन्फ्रास्ट्रक्चर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को भी हरी झंडी

सरकार ने देश में बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए 10 हजार करोड़ रु. के स्टार्टअप इंडिया फंड 2.0 को मंजूरी प्रदान की है। इसका उद्देश्य स्टार्टअप इकाइयों के लिए उद्यम पूंजी कोष को अधिक सुलभ बनाना है। सूचना प्रसारण मंत्री अश्चिनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना भारत के स्टार्टअप सफर के अगले चरण को तेज़ करने के लिए तैयार की गई है। वर्ष 2016 में शुरू की गयी स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत शुरू किए गए इस कोष के बारे में सरकार ने कहा है , ' इस कोष के गठन का उद्देश्य दीर्घकालिक घरेलू पूंजी को आकर्षित करना, वेंचर कैपिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाना और देशभर में नवाचार-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना है।'

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर बुलाकर हत्या

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छत्तीस वर्षीय युवक की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव के टुकड़े करके नहर में फेंक दिया गया। आरोप है कि उसे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दस्तावेज जमा करने के बहाने बुलाया गया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वारदात शुक्रवार रात बदुरिया इलाके में हुई। लगातार पूछताछ और तलाशी अभियान के बाद पुलिस ने शुक्रवार रात नहर से मृतक के शरीर के टुकड़े बरामद किये। उसका सिर हालांकि अब तक नहीं मिला है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय नासिर अली के रूप में हुई है, जो बदुरिया क्षेत्र के पापिला गांव का निवासी था। बीएलओ रिजवान हसन मंडल उर्फ मोंटू को गिरफ्तार किया गया है, जो पापिला के बूथ नंबर 22 से जुड़ा था। दूसरे आरोपी सागर गाइन को भी हिरासत में लिया गया है। नासिर नौ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

वकील की अदालत जाते समय गोली मारकर की हत्या

सुनसान इलाके में शव मिलने से आक्रोश

शिवपुरी, देशबन्धु। अदालत जा रहे एक वकील पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई और मौके से भाग गए। हमलावरों की गोली लगने से घायल वकील की मौत हो गई। परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अपराध कायम कर हत्यारों की तलाश में जुट गई है। घटना को लेकर वकीलों सहित पूरे नगर में आक्रोश है। जानकारी के मुताबिक मृतक वकील घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले संजय कुमार सक्सेना शिवपुरी जिले की करेरा तहसील में सिविल मामलों के जाने-माने वकील थे। श्री सक्सेना आज सुबह शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र से होते हुए हर रोज की तरह अदालत जा रहे थे। इसी दौरान पहले से रास्ते में घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरु कर दी और इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमलावरों ने इस वारदात को करेरा इलाके के किले के पीछे स्थित आनंद सागर मंदिर के पास सुनसान सिद्धन रोड पर अंजाम दिया। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि वकील की हत्या करने वाले बदमाश किसी वाहन से आए थे अथवा पैदल उन्हें गोली मारकर भाग गए।

वारदात के कुछ देर बाद उसी सड़क से गुजर रहे एक अन्य वकील की नजर सड़क पर गिरे संजय सक्सेना पर पड़ी। उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से संजय को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। मृतक वकील संजय घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार इलाके के रहने वाले थे। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि संजय सक्सेना का कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 4 लोगों पर हत्या का शक जताया है। फिलहाल, इस मामले में सीसीटीवी फुटैज खंगाल रही है और मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर हत्यारों की गिरफ्तारी के प्रयास में है।

महाकाल दर्शन के बाद खाटू श्याम जाते समय हादसा

जबलपुर के 5 श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत

जबलपुर/जयपुर, देशबन्धु। शहर के पांच श्रद्धालुओं की खाटू श्याम के दर्शन के लिये जाते समय कार दुर्घटना में मौत हो गई। कोटा-जयपुर नेशनल हाइवे 52 के चाकसू क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ये हादसा घटित हुआ। बताया जा रहा है कि कार चालक को झपकी लगी और कार एक ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गये और उसमें बैठे पांचों लोग फंस गये। घटना के बाद हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों ने तत्काल चाकसू पुलिस थाने में सूचना दी। मौके पर पुलिस ने मोर्चा संभालते हुये तुरंत एम्बुलेंस बुलाई और कार में फंसे लोगों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहीं क्रेन से दुर्घटना ग्रस्त कार को हटवाया। चाकसू थाना प्रभारी मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण कार ट्रेलर में जा टकराई। टक्कर के बाद मौके पर ही महिला सहित चार लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया जांच में मृतक मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी हैं। जिसमें रेशमा श्रीवास्तव 55, पीयूष राय, राहुल रजक, ड्राइवर अनुराग 25 और शानू शामिल हैं। राहुल रजक खेरमाई मंदिर क्षेत्र का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार सभी श्रद्धालु 12 फरवरी को उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर महादेव के दर्शन के लिए निकले थे। 13 फरवरी को दर्शन के बाद वे खाटूश्यामजी (सीकर) के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान जयपुर के चाकसू इलाके में यह दर्दनाक हादसा हो गया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

टी-20 विश्व कप: भारत-पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मुकाबला आज

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच आर प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का हाई-वोल्टेज मैच खेला जाना है। फैंस मुकाबले को लेकर बेहद उत्साहित हैं, लेकिन बारिश परेशानी का सबब बनी हुई है। रविवार को इस हाई-इंटेंसिटी मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार को कोलंबो में बारिश की 76 प्रतिशत आशंका है। शाम के समय आसमान पर 100 प्रतिशत बादल छाए रहने पर यह आशंका घटकर 13 प्रतिशत रह जाएगी। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 8 मैच खेले गए हैं, जिसमें मेन इन ब्लू का पलड़ा भारी रहा है। टीम इंडिया ने 7 मुकाबले अपने नाम किए हैं, जबकि पाकिस्तान को साल 2021 में इकलौती जीत मिली थी। भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में साल 2009 से अब तक 15 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 11 जीते और सिर्फ 4 मुकाबलों में हार मिली।

व्यापार समझौते पर राहुल ने सरकार को फिर घेरा, कहा-

झूठ बोलने में माहिर है मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर मोदी सरकार कपास उत्पादक किसान और कपड़ा निर्यातक दोनों को गहरा झटका दिया है। श्री गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, '18 प्रतिशत टैरिफ बनाम जीरो प्रतिशत-आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रहे हैं और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बंगलादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बंगलादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया -'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।' आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई। और, ये कैसी नीति है। क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है - या फिर 'आगे कुआं, पीछे खाई' की हालत में फंसाने वाला जाल।' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा और अब बंगलादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। करोड़ों लोगों की रोज़ी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोज़गारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना। उन्होंने कहा, 'एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और कपड़ा एक्सपोर्टर्स -दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती, लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र 'सरेंडर' मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।'

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र पर बने पुल का किया उद्घाटन

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। यह आधुनिक पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देता है। करीब 2.86 किलोमीटर लंबा यह 6-लेन एक्स्ट्राडोज्ड प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) पुल लगभग 3,030 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। इसके चालू होने से गुवाहाटी और उत्तर-गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर मात्र 7 मिनट रह जाएगा।

भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुल में बेस आइसोलेशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें फ्रिक्शन पेंडुलम बेयरिंग्स लगाए गए हैं। पुल की मजबूती और दीर्घकालिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हाई-परफॉर्मेंस स्टे केबल्स लगाए गए हैं। साथ ही ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी लगाया गया है, जो रियल-टाइम निगरानी, शुरुआती क्षति पहचान और सुरक्षा में सुधार सुनिश्चित करेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का भी उद्घाटन किया। यह पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सुविधा है। उद्घाटन के बाद भारतीय वायु सेना ने भव्य एयर शो प्रस्तुत किया, जिसमें राफेल, सुखोई और मिग लड़ाकू विमान शामिल रहे। इन विमानों ने सफलतापूर्वक हाईवे स्ट्रिप पर उड़ान भरी और लैंडिंग की। अपर असम में स्थित यह सुविधा पूर्वोत्तर में भारत की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम मानी जा रही है।

भारत के धुरंधर पाक को पस्त कर दबदबा बनाए रखने को मुस्तैद

भारत ने टी-20 विश्व कप में अब तक हुए आठ में सात मैच जीते, जबकि पाकिस्तान मात्र एक

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 14 फरवरी (देशबन्धु)। पाकिस्तान का भारत के खिलाफ आईसीसी टी 20क्रिकेट विश्व कप मैच के बहिष्कार का 'नाटक' खत्म हो चुका है। सूर्य कुमार यादव की अगुआई में भारत के धुरंधर अब पाकिस्तान को

■ पाक स्पिनर तारिक का तोड़ हैं भारत के हार्दिक व शिवम दुबे

■ भारत को साहिबजादा फरहान से चौकस रहना होगा

रविवार का मैच : भारत बनाम पाकिस्तान (कोलंबो, शाम 7 बजे से)।

रविवार को कोलंबो के प्रेमदास स्टेडियम की धीमी पिच पर ग्रुप ए मैच में भी पूरी तरह फोकस हो पस्त कर अपना दबदबा बनाए रखने को मुस्तैद हैं। भारत ने दोनों देशों के बीच टी 20 विश्व कप में अब तक हुए आठ में सात मैच जीते जबकि पाकिस्तान मात्र एक बार दुबई में केवल 2021 के संस्करण में जीत पाया है। भारत ने एशिया के साथ वैश्विक मंच पर पाकिस्तान के खिलाफ अपना दबदबा जारी रखा है। भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को बीते बरस टी 20 एशिया में ग्रुप मैच में सात विकेट, सुपर 4 में छह विकेट और फाइनल में पांच विकेट से शिकस्त सहित उससे तीनों मैच जीत खिताब जीता था। भारत ने पाकिस्तान से अपने पिछले पांचों मैच जीते हैं और इसका उसे बेशक मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा। दोनों टीमों ने मौजूदा टी 20 विश्व कप में ग्रुप ए में शुरू के अपने अपने दो -दो मैच जीते हैं लेकिन भारत अपनी बेहतर नेट रन रेट के चलते शीर्ष पर है।

भारत के कप्तान सूर्य, इशान किशन,तिलक वर्मा और खासतौर पर हार्दिक पांडया और शिवम दुबे की की कोशिश 'संदिग्ध' गेंदबाजी को लेकर सुर्खियों में रहे पाकिस्तान द्वारा अपनी तुरुप के इक्के बताए जा रहे ऑफ स्पिनर उस्मान तारीक को अपने जेहन पर हावी होने की बजाय अपनी नैसर्गिक बल्लेबाजी करने की होगी। हकीकत यह है कि भारत के पास हार्दिक व शिवम दुबे पाकिस्तान मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक का तोड़ हैं। भारत रविवार को पाकिस्तान को भी हरा अपना अजेयक्रम जारी रख कर जीत की हैट्रिक के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रह सुपर 8 में स्थान बनाने को बेताब है। उस्मान तारिक सहित पाकिस्तान स्पिनरों को उसकी तुरुप का इक्का बताने और उनसे निपटने के बीच कोई दुनिया के नंबर 1 टी 20 गेंदबाज भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और बाएं हाथ के बेहद कंजूस और सटीक स्पिनर अक्षर पटेल की चर्चा की चर्चा ही नहीं कर रहा। भारत के पास भी वरुण और अक्षर के साथ कुलदीप यादव और यदि आखिर में अभिषेक शर्मा मैच फिट होने के चलते नहीं खेल पाते हैं तो फिर बजाय संजू सैमसन के वाशिंगटन सुंदर के रूप में चौथा स्पिन विकल्प भी है। वरुण, अक्षर के साथ कुलदीप यादव को उतार भारत पलटवार कर तीन स्पिनरों को उतार कर उसे उसके ही दांव में उलझा सकता है।

रविवार को पाकिस्तान के ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक और बीते बरस एशिया कप में दो अर्द्धशतकों सहित 155 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान से भारत को चौकस रहना होगा। पाकिस्तान की सबसे बड़ी दिक्कत है उसकी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान(दो मैच, कुल 120 रन) को छोड़ उसका शीर्षक्रम और मध्यक्रम बुरी तरह लड़खड़ाया दिखा। इसका अंदाज इसी बात से लग सकता है नीदरलैंड द्वारा पहले मैच में जीत के लिए 148 रन का पीछा करने में ही पाकिस्तान को जिस तरह पसीना आ गया और तीन गेंद के बाकी रहते मात्र तीन विकेट से जीत पाया। ऐसे में फरहान सस्ते में आउट हो गए तो फिर पाकिस्तान की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह सकती है। पाकिस्तान ने अपने शुरू के दोनों मैच कोलंबो में खेले है और करीब एक पखवाड़े से श्रीलंका में है।

दिल तो नहीं मिलेंगे, क्या हाथ मिलाएंगे कप्तान

भारत ने बीते बरस जब टी-20 एशिया कप जीतने के बाद पीसीबी और एशियाई क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था वह जिस तरह 'ट्रॉफी' लेकर भाग गए उससे उनकी खूब जग हंसाई हुई। भारत को एशिया जीतने की यह ट्रॉफी आज तक नहीं मिली है। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव ने तब पाकिस्तान कप्तान सलमाग आगा से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या दोनों कप्तान रविवार को कोलंबो में मैच से पहले हाथ मिलाते हैं या नहीं। हाथ मिले या न मिले लेकिन पाकिस्तान की ओछी हरकतों के चलते एक बात तो साफ है कि भारत का दिल तो उससे नहीं मिलेगा। इसकी कड़वाहट रविवार को भी दिख सकती है। ऐसे में कप्तान सूर्य कुमार यादव का अपने भारतीय धुरंधरों के मंत्र इस बेहद तनावपूर्ण मुकाबले के लिए संदेश धैर्य धर एकाग्र होकर खेलने का होगा। पाकिस्तान के बांग्लादेश के भारत में खेलने से इनकार करने और अपने सभी मैच श्रीलंका में कराए जाने पर अड़े रहने पर आईसीसी ने मौजूदा आईसीसी टी 20 विश्व कप से उसे बाहर कर दिया था। इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है कि बांग्लादेश के समर्थन में उसने केवल भारत के खिलाफ न खेलने बहाना बनाया। खैर अपनी दुर्गत कराने के बाद आईसीसी के 'डंडे' से बचने के लिए अब अपनी भद्द पिटवा भारत के खिलाफ रविवार को खेल रहा है।

पाकिस्तान को इस बार हराना आसान नहीं होगा: तिवारी

कोलकाता। टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच श्रीलंका के कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले मैच को लेकर पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा कि इस बार पाकिस्तान को हराना आसान नहीं होगा। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा कि इंडिया साफ तौर पर फेवरेट है-इसमें कोई शक नहीं। हालांकि, इस बार पाकिस्तान को हराना आसान नहीं होगा, क्योंकि वे कड़ी टक्कर देंगे। हमारी टीम हर डिपार्टमेंट में बहुत मजबूत दिख रही है। बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग-सभी जगह अच्छी तरह कवर हैं। चाहे ओपनिंग जोड़ी देखें, मिडिल ऑर्डर हो, स्पिनर हों या फास्ट बॉलर-इंडिया के पास हर जगह सॉलिड ऑप्शन हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि पाकिस्तान की टीम में दो-तीन खिलाड़ी भारतीय टीम को परेशान कर सकते हैं। यह पिछले मैचों की तरह एकतरफा नहीं होगा। पाकिस्तान के बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं की जा सकती-क्योंकि, वे जीता हुआ मैच हार सकते हैं और हारा हुआ मैच जीत सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि अच्छा मैच होगा, जो टीम बेहतर खेलेगी, वही जीतेगी। दर्शकों का मनोरंजन हो, इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

आयरलैंड की पहली जीत, ओमान को 96 रन से हराया

कोलंबो, 14 फरवरी (एजेंसियां)। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड, कोलंबो में टी-20 विश्व कप 2026 के ग्रुप बी का मुकाबला शनिवार को आयरलैंड और ओमान के बीच खेला गया। आयरलैंड ने शानदार खेल दिखाते हुए ओमान पर 96 रन से बड़ी जीत दर्ज की है। 236 रन के पहाड़ से लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम की तरफ से सिर्फ 2 बल्लेबाज ही आयरलैंड के गेंदबाजों का मजबूती से सामना कर सके। सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम ने 29 गेंद पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। इसके अलावा चौथे नंबर पर आए हम्माद मिर्जा ने 37 गेंद पर 1 छक्का और 6 चौकों की मदद से 46 रन बनाए। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सूफयान महमूद 10 रन बनाकर तीसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका। ओमान की टीम 18 ओवर में 139 पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3, मैथ्यू हम्फ्रेस ने 4 ओवर में 27 रन देकर 2, और बैकी मैकार्थी ने 3 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल ने 1 विकेट लिया।ध्टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद 5 विकेट पर 235 रन बनाए थे। एक समय 64 रन पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी आयरलैंड कप्तान लॉर्कन टकर के 51 गेंदों पर 4 छक्कों और 10 चौकों की मदद से बनाए नाबाद 94 और गारेथ डेलानी के 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से बनाए 56 रनों और इन दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 56 गेंदों पर हुई 101 रन की साझेदारी के दम पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। पारी के आखिर में डॉकरेल ने 9 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से विस्फोटक 35 रन की पारी खेली। आयरलैंड का टी20 में यह सबसे बड़ा स्कोर है।

■ आमिर ने 29 गेंदों से 50 रन जड़े

आमिर अर्द्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

कोलंबो। ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी-20 वर्ल्ड कप में अर्द्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्द्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्द्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्द्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्द्धशतक लगाया था। आमिर हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया

कोलकाता, 14 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। ईडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152 रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया। रिची बेरिंगटन ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 49 रन बनाए, जबकि टॉम ब्रूस 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इनके अलावा,

■ यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही

ओलिवर डेविडसन ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से आदिल रशीद ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट जेमी ओवरटन और सैम करन ने हासिल किया। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 13 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से जैकब बेथेल ने टॉम बैंटन के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की।

वोल्वार्ट, खाका ने दक्षिण अफ्रीका को सीरीज जिताई

बेनोनी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अयाबोंगा खाका के ज़बरदस्त स्पेल और कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 29 गेंदों पर नाबाद 40 रनों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से बाधित दूसरे टी20 में पाकिस्तान की महिला टीम को छह विकेट से हराया। मेजबान टीम ने 14 ओवर के मैच में पाकिस्तान को 9 विकेट पर 100 रन पर रोक दिया और फिर चार गेंद बाकी रहते टारगेट हासिल कर लिया, जिससे उसे तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बन गई। 101 रन का पीछा करते हुए, दक्षिण अफ्रीका ने तजमिन ब्रिट्स और सुने लुस की मदद से अच्छी शुरुआत की और जल्दी से 30 रन जोड़े, इससे पहले सादिया इकबाल ने लुस को पगबाधा आउट कर दिया। विकेट ने थोड़ी देर के लिए रन बनाने की रफ़्तार रोक दी, लेकिन ब्रिट्स ने बाउंड्री लगाना जारी रखा, जबकि वोल्वार्ट ने जम कर खेला, दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़कर रन रेट को कंट्रोल में रखा। पाकिस्तान ने बीच के ओवरों में ब्रिट्स और डेन वैन नीकर्क सहित कुछ विकेट लेकर वापसी की, जिससे दक्षिण अफ्रीका को आखिरी चार ओवरों में 30 रन चाहिए थे।

कप्तानी की मुश्किलों का पता होता तो कम उम्र में कप्तान न बनता : होल्डर

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि कप्तानी एक मुश्किल अनुभव है। अगर उन्हें इस बात की जानकारी रही होती, तो बहुत कम उम्र में उन्होंने वेस्टइंडीज की कप्तानी को स्वीकार नहीं किया होता। 23 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के कप्तान बनाए गए जेसन होल्डर ने जियोस्टार पर कहा, 'जब मैंने कप्तानी संभाली, तो मुझे नहीं पता था कि मैदान के बाहर मुझे इतना कुछ करना होगा। जब मैंने इसे स्वीकार किया, तो मैंने इसे मैदान पर प्रदर्शन और गेम के दौरान खिलाड़ियों को मैनेज करने के नजरिए से ज्यादा देखा, लेकिन उस समय कप्तानी संभालना और मैदान के बाहर की सभी चीजों, जिसमें चयन और ये सभी अलग-अलग चीजें शामिल हैं, से निपटना मुश्किल था।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, मुझे नहीं लगता कि अगर मैं

उस अनुभव से नहीं गुजरा होता, तो मैं आज वह इंसान होता जो मैं हूं। मुझे जिंदगी में इसका कोई अफसोस नहीं है, लेकिन अगर मुझे तब पता होता जो मुझे अब पता है, तो शायद मैंने उस समय यह काम नहीं किया होता। अब यह समझते हुए कि कप्तानी में क्या होता है और देश का नेतृत्व करने का क्या मतलब है, शायद मैंने अपने करियर में इतनी जल्दी यह काम नहीं किया होता।' 2016 विश्व कप कैंपेन को याद करते हुए होल्डर ने कहा, '2016 का वह कैंपेन मुश्किल था, खासकर शुरुआत में। जब हम आए, तो हमारे पास कपड़ों और अनुबंध को लेकर दिक्कतें थीं।

नेपाल के खिलाफ वेस्ट इंडीज की नजरें लगातार जीत पर

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में जब अपराजित वेस्टइंडीज का सामना पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी के हाई-स्टेक मुकाबले में नेपाल से होगा, तो रोमांच देखने को मिलेगा। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू होगा। कैरेबियाई टीम जबरदस्त फॉर्म में है, उसने शुरुआती दोनों गेम जीते हैं, जिसमें टूर्नामेंट की फेवरेट टीमों में से एक इंग्लैंड पर 30 रन की शानदार जीत भी शामिल है। शेरफेन रदरफोर्ड को कोई रोक नहीं सका, उन्होंने सिर्फ़ 41 गेंदों पर 76 रन बनाए, जबकि शिमरोन हेटमायर ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले मैच में मैच जिताने वाली 64 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के बॉलर्स ने भी गेंदबाजी का कमाल दिखाया है। रोमारियो शेफर्ड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 5/20 विकेट लिए, और गुडाकेश मोती ने इंग्लैंड के खिलाफ अहम तीन विकेट लिए। हालांकि कप्तान शाई होप और ओपनर ब्रैंडन किंग टॉप पर स्ट्रगल कर रहे हैं, लेकिन मिडिल ऑर्डर और बॉलिंग अटैक ने टीम को

आज वेस्टइंडीज का सामना नेपाल से होगा

परफेक्शन तक पहुंचाया है।

इस बीच, नेपाल अभी भी अपने पहले पॉइंट की तलाश में है। राइनोज़ इंग्लैंड के खिलाफ बहुत करीब आ गए थे, सिर्फ 4 रन से हार गए, लेकिन डेब्यू कर रही इटली ने उन्हें 10 विकेट से बुरी तरह हराया, और पूरी टीम 123 रन पर आउट हो गई। खास खिलाड़ी रोहित पौडेल और आसिफ शेख फिर से चमक सकते हैं, जबकि लेग-स्पिनर संदीप लैमिछाने स्पिन-फ्रेंडली वानखेड़े ट्रैक पर नेपाल की उम्मीद होंगे, जिसने चार मैचों में स्पिनरों को 24 विकेट दिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया को कड़ी टक्कर देने उतरेगी भारतीय महिला टीम

सिडनी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारत अपनी पहली वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित है और दुनिया की टॉप रैंक वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में उसके घर में चुनौती देगी। भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया के

■ भारत अपनी पहली वर्ल्ड कप जीत से है उत्साहित

पिछले ताजों में से एक हासिल कर चुका है - अब, वे पूरे आत्मविश्वास के साथ सिडनी पहुंचे हैं और उनके पास सभी फॉर्मेट की सबसे अच्छी टीम होने का दावा करने का मौका है। रविवार को सिडनी में पहला टी-20 मैच, पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को चौंकाने के बाद दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पहली मुलाकात होगी, जिसमें भारत ने टूर्नामेंट की

पसंदीदा टीम को बाहर कर दिया था और फिर अपना पहला सीनियर महिला आईसीसी खिताब जीता था। उस जीत के बाद, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना सहित भारत की सीनियर खिलाड़ियों ने कहा कि वे एक ट्रॉफी से संतुष्ट नहीं हैं, और इसके बजाय उनकी नजर दुनिया पर राज करने पर है। ऑस्ट्रेलिया को - जो दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में दुनिया की टॉप रैंक वाली टीम बनी हुई है (महिलाओं के लिए कोई टेस्ट रैंकिंग नहीं है) - उनकी धरती पर हराना उस वर्ल्ड डॉमिनेशन' बॉक्स में एक सीरियस टिक होगा। शनिवार को सिडनी में कौर ने कहा, 'हम अपने सभी टारगेट को पाने के लिए सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वनडे वर्ल्ड कप जीतना उनमें से एक था, इसलिए हम सही रास्ते पर हैं। हम बस

> हम अपने सभी टारगेट को पाने के लिए सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं : हरमनप्रीत कौर

सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और उम्मीद है कि जब भी हम खेलेंगे तो अपना बेस्ट देते रहेंगे। हम जानते हैं (ऑस्ट्रेलिया) बहुत मजबूत है। हमने देखा है कि वे इतने लंबे समय से बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। एक बात बहुत साफ़ है, जब भी आप एक अच्छी सोच और एक अच्छे, पॉज़िटिव अप्रोच के साथ जाते हैं, तो आप हमेशा अपना बेस्ट दे सकते हैं। 'मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ फॉर्मेट, जिसमें तीन टी20, तीन वनडे और एक टेस्ट शामिल हैं, यकीनन महिलाओं के खेल में सबसे बड़ी चुनौती है, जिसमें टीमों को अगले तीन हफ़्तों में जल्दी-जल्दी एक के बाद एक फॉर्मेट बदलने पड़ते हैं।

फ्रिट्ज, शेल्टन, शापोवालोव और सिलिच सेमीफाइनल में

डलास, 14 फरवरी (एजेंसियां) टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन, डेनिस शापोवालोव और मारिन सिलिक ने अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मैच जीत कर नेक्सो डलास ओपन सेमीफ़ाइनल में जगह बना ली है। टेलर फ्रिट्ज़ ने शुक्रवार को एक कड़े मुकाबले और चोट के डर से उबरते हुए सेबेस्टियन कोर्डा को 6-7(2), 6-4, 7-6(5) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। 4-5, 30/15 पहले सेट में, फ्रिट्ज ने एक अजीब बैकहैंड फ्लिक मारा जिससे तेज दर्द हुआ और उसी गेम में फिजियो को दिखाना पड़ा। पिछले साल लगी चोटों के बारे में पूरे हफ़्ते बात करने के बाद, यह एक खतरनाक नज़ारा था। फ्रिट्ज़ की चोट पर काम हुआ और उन्हें अभी भी दर्द महसूस हो रहा था, लेकिन उतना तेज नहीं। फिजियो ने उन्हें कई बार देखा, जिससे उन्हें मदद मिली। फिर भी, फ्रिट्ज को कोर्डा से निपटना पड़ा, जिन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में 5/4 पर सर्व किया। लेकिन एटीपी रैंकिंग में पहले नंबर 15 के खिलाड़ी ने लगातार फोरहैंड गलतियां कीं, जिससे फ्रिट्ज बच निकले। टॉप सीड खिलाड़ी ने 22 एस मारे और अपने सामने आए सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। फ्रिट्ज़ का अगला मुकाबला पहले वर्ल्ड नंबर 3 मारिन सिलिच से होगा, जिन्होंने सिर्फ 78 मिनट में ब्रेकथ्रू ब्रिटन जैक पिनिंगटन जोन्स को 6-1, 6-4 से हराया। दूसरे क्वार्टर-फ़ाइनल मुकाबलों में, दूसरी सीड बेन शेल्टन ने मिओमिर केकमानोविच को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर अपने 13वें टूर-लेवल सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई और अगस्त में टोरंटो में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने करियर का सबसे बड़ा टाइटल जीतने के बाद यह उनका पहला टूर-लेवल सेमीफ़ाइनल था।

सार संक्षेप

मुचोवा और म्बोको में होगा खिताबी मुकाबला

दोहा। चेक की कैरोलिना मुचोवा शनिवार को दोहा में ग्रीस की मारिया सकारी पर तीन सेट की जीत के साथ कतर टोटलएनर्जीज़ ओपन के फाइनल में पहुंच गईं।इस जीत ने मुचोवा को उनके तीसरे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंचा दिया, क्योंकि वह इस लेवल पर अपने पहले टाइटल की तलाश में हैं।डब्ल्यूटीए टूर पर पिछली चार मुलाकातों में मुचोवा सकारी से कभी नहीं हारी थीं, लेकिन यह सिलसिला खतरे में दिख रहा था जब सकारी ने लगातार पांच गेम जीतकर 6-3, 2-0 की बढ़त बना ली। मुचोवा ने अपना अग्रेसिव स्टाइल जारी रखते हुए लगातार पांच गेम जीते और दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गईं। हालांकि सकारी ने अंतर 5-4 कर दिया, लेकिन मुचोवा ने मजबूती से सेट 6-4 से जीता और फिर तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम कर लिया। यह 29 साल की खिलाड़ी के लिए सीजन का दूसरा सेमीफ़ाइनल था और साल की उनकी 11वीं जीत थी - सिर्फ़ 19 साल की कनाडाई विक्टोरिया म्बोको के बाद दूसरी जीत, जिन्होंने शनिवार को येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर अपनी 13वीं जीत हासिल की और अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुँचीं।

सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स। टॉप सीड और लोकल फेवरेट फ्रांसिस्को सेरुंडोलो शुक्रवार को चेक विट कोप्रिवा को 6-4, 6-3 से हराकर अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। सेरुंडोलो, जो एटीपी टूर में 19वें नंबर पर हैं, ने अपने पहले सर्व पर 74 परसेंट पॉइंट जीते और 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को कन्वर्ट करके ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले पर एक घंटे 38 मिनट में जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 95 कोप्रिवा ने चार डबल फॉल्ट किए और 31 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। 27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'यह एक मुश्किल मैच था। बहुत तेज़ हवा चल रही थी और ऐसे पल भी आए जब आपने बॉल मारी और पता नहीं चला कि वह कहाँ जा रही है। उसने बहुत अग्रेसिव, इंटेंस और फ्लैट, लो खेलना शुरू किया। मुझे इसकी आदत नहीं थी। मैंने अच्छा नहीं खेला और मुझे अनकम्फर्टेबल महसूस हुआ, इसलिए मैं जीतकर बहुत खुश हूँ।'

साथियान ने बनाई मेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जगह

चेन्नई। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2026 में चौथी सीड हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, साथियान जी. ने अपने पहले मेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में देसाई और घोरपड़े ने ऑल-इंडियन मिक्स्ड डबल्स सेमीफाइनल में पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए वाइल्ड कार्ड पायस जैन और सिंड्रेला दास को 3-0 (11-9, 11-6, 11-9) से शिकस्त दी। अब उनका सामना रोमानिया के दूसरे सीड एडुआर्ड इओनेस्कु और बर्नाडिट स्जोक्स से होगा।इससे पहले, साथियान ने मेंस सिंगल्स में भारत की उम्मीदों को जीवित रखा। वह 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इओनेस्कु को 3-2 (9-11, 11-3, 10-12, 11-7, 11-5) से हराकर आगे बढ़े।

एमबीबीएस छात्रा की संदिग्ध मौत का मामला

देर रात जीएमसी पहुंची पुलिस, वारंट की मांग पर हुआ छात्रों से हुआ टकराव

एक छात्रा से बंद कमरे में की पूछताछ

भोपाल,देशबन्धु। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा रोशनी कलैश की संदिग्ध मौत के मामले में छात्रा के परिजनो और चिकित्सा छात्रों ने पुलिस पर धीमी कार्रवाई का आरोप लगाते हुए शुक्रवार दोपहर कोहेफिजा थाने का घेराव किया था, तो पुलिस देर रात एक छात्रा से पूछताछ करने के लिए जीएमसी के कन्या छात्रावास पहुंच गई। यहां वारंट और लिखित आदेश की मांग को लेकर चिकित्सा छात्रों और पुलिस के बीच काफी बहस हुई और करीब 3 घंटों तक टकराव की स्थिति बनी रही। इसके बावजूद पुलिस ने एक छात्रा से बंद कमरे में पूछताछ की। इसके बाद चिकित्सा छात्रों ने जांच प्रक्रिया और पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया समूह में लिखा कि तीन पुलिसकर्मी शुक्रवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे चिकित्सा छात्राओं को परेशान करने गांधी मेडिकल कॉलेज के डी ब्लॉक स्तिथ कन्या छात्रावास पहुंचे। एक छात्रा को जबरन थाने ले जाने की कोशिश की, जिसका छात्रों ने विरोध किया। छात्र पुलिस से लिखित आदेश और वारंट दिखाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित का कहना था कि पुलिस को हर बार अलग से अनुमति की जरूरत नहीं होती। बाद में उन्होंने कहा कि उनके पास आवश्यक अनुमति है। लेकिन छात्रों ने लिखित रूप में आदेश पेश करने की मांग दोहराई। इस पर पुलिस से तकरार हुई। इस दौरान केवल पुरुष पुलिसकर्मी मौजूद थे। विरोध बढ़ने के बाद रात करीब 1 बजे एक महिला सिपाही भी मौके पर पहुंची। इसके बाद करीब एक घंटे तक एक छात्रा को अलग कमरे में बैठाकर पूछताछ की गई। इस दौरान बाहर खड़े छात्र इस प्रक्रिया का विरोध करते रहे। उनका कहना था कि देर रात छात्राओं से पूछताछ करना अनुचित है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई उन्हें डराने के लिए की जा रही है, ताकि वे प्रदर्शन से पीछे हट जाएं।

हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इसे जांच का हिस्सा बताया। उनका कहना है कि पुलिस जिस छात्रा से पूछताछ के लिए पहुंची, वो भी एमबीबीएस प्रथम वर्ष की है और जिस निजी छात्रावास में रोशनी रहती थी, उसी में रहती है। बताया गया है की रोशनी की मौत के बाद से उक्त छात्र सदमे में है। ऐसे में साथी छात्रों ने उसे अपने साथ जीएमसी के छात्रावास में रखने का फैसला लिया था। पुलिस उसकी ही तलाश में यहाँ पहुंची थी। जिसके बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ।

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल मासिक व्याख्यानमाला

भोपाल,देशबन्धु। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यानमाला में डॉ अभिजीत देशमुख ने बीमारी के पूर्व लक्षणों की जानकारी दी। साथ ही उसके तुरंत परीक्षण और उपचार पर सतर्कता बरतने को कहा डॉ देशमुख ने कहा कि जरा सी लापरवाही छोटे से रोग को गंभीर रोग में बदल देती है। उन्होंने कहा कि पेट दर्द, सर दर्द, हाथ पांव घुटनों के निरंतर दर्द को गंभीरता से ले और योग ओर व्यायाम को निरंतर करे। इस दौरान डॉ देशमुख ने कुटुंभ यात्रा स्वस्थ योजना की भी जानकारी दी और रोटरी क्लब से मिलकर भी स्वास्थ सेवा करने की सहमति दी। उन्होंने श्रोताओं के भी सवालों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में क्लब अध्यक्ष विश्वास घूसे ने स्वागत भाषण दिया और मानद सचिव ने मासिक गतिविधियों की जानकारी दी। व्याख्यानमाला में 50 रोटेरियन परिवार सहित उपस्थित रहे। अंत में आभार प्रदर्शन ने रोटेरियन सुनील भार्गव ने किया।

गिरफ्तारी से बचने के लिए

रज्जाक से रसक बना आरोपी 25 वर्ष बाद पकड़ाया

भोपाल,देशबन्धु। दूरसंचार विभाग भोपाल क्षेत्र से जुड़े धोखाधड़ी और आपराधिक षडयंत्र के मामले में आरोपित पीएम अब्दुल रज्जाक को 25 वर्ष बाद गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई भोपाल ने उसे तमिलनाडु के सलेम से पकड़ा है। गिरफ्तारी से बचने आरोपी ने अपना नाम अब्दुल रज्जाक से अब्दुल रसक कर लिया था। उसे ट्रांजिट रिमांड पर भोपाल लाया गया है।

सीबीआई भोपाल ब्रांच ने 16 अक्टूबर 1995 को दूरसंचार विभाग भोपाल क्षेत्र में हुए धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में प्रकरण दर्ज किया था। सीबीआई को इसकी जांच में पता चला कि दूरसंचार विभाग के उस समय के क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश गुप्ता ने पीएम अब्दुल रज्जाक (निजी व्यक्ति) सहित अन्य लोगों के साथ मिलकर विभाग को आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में सीबीआई ने रज्जाक सहित और चार अन्य आरोपियों के विरुद्ध जून 1999 में आरोप पत्र प्रस्तुत किया था। लेकिन रज्जाक की लगातार तलाश के बाद भी गिरफ्त में नहीं आने पर वर्ष 2001 में सीबीआई ने उसे भगोड़ा घोषित किया था। इस पर भोपाल के सत्र न्यायालय ने उसके विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

उधर रज्जाक को पकड़ने के लिए सीबीआई भोपाल के अधिकारियों का विशेष गया। दाल को पता चला कि वह जमानत की शर्त तोड़कर अपने परिवार के साथ मध्य प्रदेश से चला गया है। इसके बाद खुफिया सूचना और फोन रिकार्ड के विश्लेषण में उसके सलेम, तमिलनाडु में होने का पता लगा। इसके बाद गोपनीय तरीके से उसे वहां से गिरफ्तार किया गया । बताया गया है की आरोपी वहां अब्दुल रज्जाक से अब्दुल रसक बनकर रह रहा था।

30 एकड़ जमीन पर अवैध निर्माण तोड़ा

भोपाल,देशबन्धु। राष्ट्रीय हरित अभिकरण (एनजीटी) के आदेश पर शनिवार को भोपाल में बड़ी कार्रवाई की गई। इसके तहत केरवा बांध के के समीप बड़े तालाब के जलभराव क्षेत्र में 30 एकड़ जमीन पर किए गए अवैध निर्माण पर जिला प्रशासन की जेसीबी चली। इस कार्रवाई से रसूखदारों में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरखेड़ी बजायाफत की पंचायत कुशालपुरा में करीब 30 एकड़ जमीन पर अवैध निर्माण की सूचना के बाद जिला प्रशासन का अमला हुजूर तहसीलदार अनुराग त्रिपाठी के नेतृत्व में मौके पर पहुंचा। अमले ने यहाँ अवैध रूप से बनाई गई चारदीवारी और सीमेंट क्रांकीट की सड़क जेसीबी की मदद से उखाड़ दी। प्रशासनिक सूत्रों की माने तो यह जमीन एक फिल्म निदेशक से कुछ लोगों ने खरीद ली थी। जहां पर बिना अनुमति के निर्माण किए गए थे। उल्लेखनीय है कि एनजीटी ने बड़े तालाब समेत अन्य जलस्रोतों के जलभराव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के आदेश दे रखे हैं। इसके चलते जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है।

आज श्रद्धा से मानेगी महाशिवरात्रि, शिवालयों में गूंजेगा ऊँ नमः शिवाय

पुराने शहर में निकलेगी शिव बारात नर, मुनि और किन्नर के साथ भूत-पिशाच बनेंगे बाराती

भोपाल,देशबन्धु। राजधानी में देवों के देव महादेव के विवाह का पर्व महाशिवरात्रि रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के सभी छोटे- बड़े शिवालयों में भगवन शिव के प्रिय पंचाक्षरी मन्त्र ऊँ नमः शिवाय की अनुगूँज के बीच विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे। वहीँ महाशिवरात्रि का मुख्य आयोजन पुराने शहर के बड़वाले महादेव मंदिर में होगा। यहाँ से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु नर, मुनि और किन्नर के साथ भूत- पिशाच के भेष में भी बाराती के रूप में शामिल होंगे। बारात का मुख्य आकर्षण दूल्हे के भेष में चांदी से निर्मित नन्दी रथ पर सवार भगवान भोलेनाथ की आदमकद प्रतिमा रहेगी।

महाशिवरात्री पर रविवार सुबह से ही शहर के सभी शिवालयों में शिव भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरु हो जाएगा। शिवभक्त यहां ऊँ नमः शिवाय के जयकारों के बीच भगवान शिव का जल, दूध, शहद, शक्कर और घी से निर्मित पंचामृत से अभिषेक करेंगे। यह सिलसिला दिनभर जारी रहेगा। इस दौरान शिवालयों में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी होंगे। शिवरात्रि का मुख्य आयोजन पुराने शहर के कायस्थपुरा स्थित प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में होगा। यहां सुबह शिव का अभिषेक और श्रृंगार करने के बाद भव्य शिव बारात शुरु होगी जो सोमवारा, सिन्धी मार्केट, जनकपुरी, हनुमानगंज, मंगलवारा, इतवारा, चिंतामन चौक, सराफा बाजार, लखेरापुरा होते हुए सोमवारा स्थित कर्फ्यू वाली माता मंदिर पहुंचेगी, यहां शिव और पार्वती की वरमाला की रस्म होगी। इस रस्म के बाद भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती के साथ बारात वापस बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचेगी। जहां रात्रि जागरण के साथ ही विवाह की अन्य रस्मे पूरी की जाएगी।

बारात के यह होंगे आकर्षणः शिव बारात में मुख्य आकर्षण दूल्हे के भेष में चांदी से निर्मित नन्दी रथ पर सवार भगवान भोलेनाथ की आदमकद प्रतिमा रहेगी, जिसका श्रद्धालु बारात मार्ग में पूजा अर्चना कर स्वागत करेंगे। इसके अलावा बैंड बाजे, डीजे, डमरू दल, ऊँ नमः शिवाय कीर्तन दल और विभिन्न शिव प्रसंगों पर आधारित झांकियों के अलावा नर, मुनि, किन्नर और भूत-पिशाच के भेष में शामिल बाराती भी आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

पशुपतिनाथ का जलाभिषेक होगा, निकलेगी कलश यात्रा

भोपाल, देशबन्धु। श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज, गोविन्दपुरा भोपाल द्वारा श्री पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा। इस मौके पर 15 फरवरी को मंदिर परिसर गंगाजली कलश यात्रा द्वारा लाए गए जल से भगवान श्री पशुपतिनाथ का भव्य जलाभिषेक किया जाएगा।

समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे और महामंत्री सुरेश पाण्डे ने बताया कि आयोजन के दौरान केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, बीएचईएल के ईडी पीके उपाध्याय और क्षेत्रीय पार्षद अशोक वाणी सहित संत-महात्मा विशेष रूप से शामिल होंगे। समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे और महामंत्री सुरेश पाण्डे ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। रविवार को सुबह 8:30 बजे गंगाजली कलश यात्रा श्री राम मंदिर, बरखेड़ा से शुरू होगी और चिल्ड्रन पार्क, कार्मल कान्वेंट स्कूल, अन्ना नगर, चेतक ब्रिज, भारती निकेतन, पेट्रोल पंप तिराहा, गोविन्दपुरा ए-सेक्टर होते हुए दोपहर 12 बजे श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचेगी। इस यात्रा में शिव बारात, विशिष्टजन, साधु-संत, समाज के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, प्रबंध समिति और महिला समिति के सदस्यगण और आम लोग शामिल रहेंगे।

स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

जलाभिषेक के पहले सुबह 11 बजे से मंदिर परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शिविर अपरान्ह 3 बजे तक लगा रहेगा। वहीं सोमवार 16 फरवरी को मंदिर में 12 बजे से भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जो कि शाम 4 बजे तक चलेगा।

किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल,देशबन्धु। सूखी सेवनिया थाना इलाके में रहने वाली किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने फंदे पर लटके शव को देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सुखी सेवनिया थाना पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय काजल बंजारा पिता रमेश बंजारा सुखी सेवनिया में बंजारा बस्ती की रहने वाली थी। वह पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी थी। उसके माता-पिता फेरी लगाकर प्लास्टिक का सामान बेचने का काम करते हैं। वे हर रोज की तरह शुक्रवार सुबह घर से निकल गए थे। इस दौरान घर में काजल और उसका छोटा भाई था। छोटे भाई ने शाम को काजल के शव को फंदे पर लटका देखने के बाद मां-पिता को फोन पर सूचना दी। साथ ही शोर मचा कर पड़ोसियों को बुलाया। मां-पिता ने घर पहुंचने पर पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में शव को फंदे से उतार कार पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया गया और शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल की तलाशी में कोई पत्र नहीं मिला है। वहीँ परिजनों ने भी अपने बयानों में आत्महत्या का कोई ठोस कारण नहीं बताया है। इसी के साथ बच्ची को हाल ही के दिनों में किसी भी तरह से डांट फटकार करने की बात से भी इनकार किया। लिहाजा आत्महत्या की कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

युवक ने फांसी लगाई, मौत

उधर गोविंदपुरा थाना पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय मुन्ना सोनी सिक्योरिटी लाइन इलाके में अपनी मां के साथ रहता था। मां व अन्य रिश्तेदारों ने उसकी शादी तय कर दी थी। कुछ दिनों बाद ही उसकी शादी होने वाली थी। वह उस युवती से बात करने लगा था जिससे शादी होने वाली थी। शुक्रवार दोपहर को मां घर के बाहर बर्तन धो रही थी। इस दौरान मुन्ना अपने कमरे में बैठकर युवती से बात कर रहा था। थोड़ी देर बाद मां अंदर पहुंची तो मुन्ना फन्दे पर लटका मिला। फंदे से उतारकर उसे तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल से मिली सुचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया और शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि मौके से पत्र नहीं मिलने से आत्महत्या की वजह पता नहीं चल सकी है। हालाँकि मृतक की मां ने बताया है कि बेटे का युवती से फोन पर विवाद हुआ था, जिसके बाद ही उसने खुदुकुशी कर ली।

कॉलेज में वित्तीय कंपनी के कर्मचारी से मारपीट

मालिक से कर्ज की किस्त वसूलने पहुंचा था युवक

पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप

भोपाल,देशबन्धु। सूखीसेवनिया थाना इलाके में बने जेएसआर ग्लोबल कॉलेज के मालिक सहित कर्मचारियों पर एक वित्तीय कंपनी के कर्मचारी को पीटने के आरोप लगे हैं। घटना शुक्रवार दोपहर की है, जबकि घटनाक्रम का वीडियो शनिवार को सामने आया है। इस वीडियो में कॉलेज के कर्मचारी वसूली के लिए पहुंचे वित्तीय कंपनी के कर्मचारी को पीटते नजर आ रहे हैं।

पीड़ित राजेंद्र चौहान के मुताबिक जेएसआर ग्लोबल कॉलेज के मालिक सुधीर ने वित्तीय कंपनी 72 लाख रुपए का ऋण लिया हुआ था। उन्होंने ऋण की तीन किस्त जमा नहीं की थीं। लिहाजा ऋण की किस्त वसूलने वह शुक्रवार दोपहर कॉलेज गया था। इस दौरान कॉलेज में मिले 5 से 6 कर्मचारियों ने उसे एक कमरे में बैठाया और पूछा कि मालिक के घर कैसे गए। उसने बताया कि लगातार कॉलेज आने पर मालिक नहीं मिल रहे थे। तब मजबूरन घर के पते पर जाना पड़ा। इस बात पर सभी युवक आक्रोशित हो गए और मारपीट शुरू कर दी। एक युवक ने बेल्ट, एक ने क्रिकेट बेट, जबकि अन्य ने लात और घूसों से पीटा। करीब 2 बजे से सवा चार बजे तक तीन बार पीटा गया। इस दौरान कंपनी के प्रबंधक अनिल सिंह परिहार भी राजेंद्र के साथ थे। वह लगातार बीचबचाव कर रहे थे, लेकिन आरोपी गाली देने का झूठा आरोप लगाकर पीटते रहे। इस दौरान उसके बैग में रखे 95 हजार रुपए भी किसी ने निकाल लिए हैं। घटना के बाद राजेंद्र थाने पहुंचा, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। इस मामले अब तक प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है, जबकि राजेंद्र ने वीडियो पुलिस को दिए हैं जिसमे आरोपी उसे पीटते दिखाई दे रहे हैं। वहीँ आरोपियों द्वारा राजेंद्र पर राजीनामा करने का दबाव बनाया जा रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया आपसी विवाद

सूखीसेवनिया थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। आपसी विवाद है, फाइनेंस कंपनी कर्मचारी ने कॉलेज वालों पर मारपीट के आरोप लगाए हैं, जबकि कॉलेज प्रबंधन ने परिसर में घुसकर गाली देने के आरोप लगाए हैं। शनिवार को दोनों पक्ष थाने में एकत्र हुए थे। दोनों पक्षों का कहना था कि उनके बीच समझोते की बात चल रही है। लिहाजा अभी प्रकरण दर्ज नहीं किया है।

होटल की टंकी में मिला बुजुर्ग का शव

नशे में डूबने की आशंका

भोपाल,देशबन्धु। एमपी नगर स्तिथ आर्च मनोर होटल की पानी टंकी से शनिवार दोपहर एक बुजुर्ग की लाश बरामद की गई। वह होटल में कपडे धोने का काम करते थे। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि बुजुर्ग शराब पीने के आदि थे। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि नशे में काम करने के दौरान वह टंकी में डूबे और उनकी जान चली गई। फ़िलहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि 60 वर्षीय अशोक रजक पिता शंकरलाल रजक बजरिया इलाके में रहते थे। वे एमपी नगर जोन एक में स्थित आर्च मैनर होटल में कपड़े धोने का काम करते थे। वे पिछले 20 साल से यहां पर काम कर रहे थे। रोजाना की तरह वह शनिवार को भी अपने काम पर पहुंचे थे। दोपहर के समय बेटे ने उन्हें फोन लगाया तो उन्होंने फोन नहीं सुना। इस पर बेटा होटल पहुंचा तथा पिता की तलाश की। तलाश के दौरान बेटा वहां पर पहुंचा जहां पर उसके पिता हमेशा कपड़े धोया करते थे। यहां पर अशोक पानी की टंकी में डूबे हुए मिले। उन्हें तुरंत ही निकालकर अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सक ने जाँच के बाद अशोक को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सुचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया और मर्ग दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही इस बात का पता चल सकेगा कि उनकी मौत पानी में डूबने के कारण हुई अथवा उनके साथ कोई वारदात हुई है।

एलएनसीटी विवि में मनाया गाम्बिया का स्वतंत्रता दिवस

भोपाल,देशबन्धु। एलएनसीटी विश्वविद्यालय में आज गाम्बिया देश का 61वां स्वतंत्रता दिवस भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में गाम्बिया और भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद दोनों देशों का राष्ट्गान हुआ। इसके बाद विश्वविद्यालय के सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य गाम्बिया के पारंपरिक नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को दोनों देशों की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत अफ्रीकी देशों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं के लिए यह आयोजन भावनात्मक और गर्व का अवसर रहा। कार्यक्रम में अजी फॉतुमाता जूफ, फर्स्ट सेक्रेटरी गाम्बिया दूतावास,और इंद्राणी मूले सलाहकार अफ्रीकन स्टूडेंट असोसिएशन गाम्बिया दूतावास, एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जय नारायण चौकसे, कार्यकारी संचालक पूजाश्री चौकसे, संचालक धर्मेंद्र गुप्ता, कुलपति डॉ एन के थापाक विशेष रप से उपस्थित रहे।

उल्लास के साथ मनाया गया भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक

भोपाल,देशबन्धु। राजधानी के विभिन्न जैन मंदिरों में शनिवार को 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। भक्तों ने यहाँ विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, शांति धारा और निर्वाण लाडू अर्पण जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए।

विमानतल मार्ग गोदरमऊ स्थित जिनालय में भगवान की विशाल प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू अर्पित कर मोक्ष कल्याणक की मंगलकामनाएं कीं। इसी तरह सिद्धार्थ लेक सिटी स्थित मंदिर में स्वर्ण कलश से अभिषेक कर धर्मसभा आयोजित की गई। वहीं नेहरू नगर के मंदिर में रत्नमयी प्रतिमा पर जगत शांति की कामना के साथ शांति धारा की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और स्तवन के माध्यम से तीर्थंकर के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। उधर नंदीश्वर जिनालय चौक मंगलवारा, कस्तूरबा नगर और टीटी नगर सहित शहर के अन्य जैन मंदिरों में भी विशेष अनुष्ठान आयोजित किए गए। इस दौरान मंदिर श्रद्धालुओं ने दिनभर व्रत-उपवास रखकर आध्यात्मिक साधना की। इसके चलते मंदिर परिसर भक्ति संगीत और जयकारों से गुंजायमान रहे। वहीँ धर्माचार्यों ने प्रवचनों में कहा कि तीर्थंकरों का जीवन त्याग, तप और आत्मसंयम की प्रेरणा देता है। मोक्ष कल्याणक आत्मशुद्धि और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है।

होटल प्रबंधन संस्थान में बीएमए का स्टूडेंट चैप्टर शुरू होगा

भोपाल,देशबन्धु। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में आज एक ज्ञान सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता डॉ. राजीव अग्रवाल थे। उनके विचारों ने श्रोताओं को बहुत प्रभावित किया और एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और पेशेवर उत्कृष्टता, नेतृत्व विकास, और ज्ञान साझा करने में भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की भूमिका और लाभों पर प्रकाश डाला। सत्र में प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इस अवसर पर बीएमए के मानद सचिव के शंकर, पूर्व उपाध्यक्ष नरेन्द्र छिब्बर भी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष आशा कोलेलकर ने किया और संसथान में भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन के स्टूडेंट चैप्टर प्रारंभ शीघ्र प्रारंभ करने का आश्वासन दिया।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)
कोल इस्टेट, सिविल लाईन, नागपुर-440001, महाराष्ट्र, इंडिया. वेबसाईट - www.westerncoal.in

सूचना

कोल इंडिया लिमिटेड तथा उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा वस्तुओं, कार्यों और सेवाओं की खरीद हेतु जारी की गई सभी निविदाएं कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in**, संबंधित सहायक कंपनी की वेबसाईट (वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) **www.westerncoal.in**, CIL ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** तथा सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है। वस्तुओं और सेवाओं की खरीद (यदि वे GeM पोर्टल पर उपलब्ध है) GeM पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से जाती है।

न्यायालय अपर तहसीलदार राजधानी परियोजना टी टी नगर भोपाल
(शेड नं. 06 बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल)
प्र.क्र. 0047/अ-3/2025-26

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सोहन सिंह आ. श्री रघुवीर सिंह निवासी-79, वलवंत नगर गांधी रोड़ ग्वालियर द्वारा ग्राम बरखेड़ीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 25/3/14, 10/1/1/1/1 रकबा 0.0160 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 83/24/1/5/1/1/1 रकबा 0.0520 हेक्टेयर का बटान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकरण में 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
राजधानी परियोजना टी.टी. नगर वृत्त भोपाल

साहित्य

संघ-समर्थित बौद्धिक दावों की सीमाएँ

■ अरुण कुमार डनायक

राजयपुर साहित्य उत्सव के दौरान वरिष्ठ कवि-आलोचक नरेश सक्सेना के इस कथन कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी काल में, अनेक तथाकथित बौद्धिक उत्सव आयोजित करने के बावजूद, ऐसा एक भी बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया जिसका नाम संघ के बाहर जाना-पहचाना हो और जिसे व्यापक बौद्धिक समुदाय में गंभीरता से स्वीकार किया गया हो – के साथ एक तीखी बहस का सूत्रपात हुआ। इस प्रश्न के उत्तर में संघ समर्थक खेमे से जो प्रतिक्रियाएँ सामने आती हैं, वे प्राय: तथ्यात्मक विवेचन से अधिक भावनात्मक आत्मरक्षा का रूप ले लेती हैं। यही इस विमर्श की मूल समस्या है।

संघ परिवार से जुड़े विचारकों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि 'लेखक' की परिभाषा स्वयं पक्षपातपूर्ण है और अकादमिक जगत ने वैचारिक कारणों से संघ-प्रेरित लेखन को मान्यता नहीं दी। यह आंशिक रूप से सही हो सकता है, किंतु इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि आलोचना निराधार है। किसी भी वैचारिक परंपरा की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन उसके भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि उसकी पद्धति, प्रमाण और आत्मालोचना की क्षमता से किया जाता है। इस संदर्भ में प्राय: दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' का उल्लेख केन्द्रीय उदाहरण के रूप में किया जाता है। किंतु अकादमिक दृष्टि से यह स्वीकार करना आवश्यक है कि 'एकात्म मानववाद' एक संक्षिप्त व्याख्यात्मक पाठ है, न कि सम्पूर्ण चिंतन मनन से विकसित दार्शनिक ग्रंथ। इसमें पश्चिमी पूँजीवाद और लोकतंत्र व समाजवाद की आलोचना तो मिलती है, पर भारतीय समाज की जटिल आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत समस्याओं के लिए कोई स्पष्ट, परीक्षण योग्य समाधान नहीं मिलता। इसे संपूर्ण वैकल्पिक दर्शन के रूप में प्रस्तुत करना वैचारिक अतिरंजन है, न कि विश्लेषणात्मक निष्कर्ष। उपाध्याय जी की तुलना में राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी चिंतकों ने भारतीय सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के लिए अधिक ठोस और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। किंतु भारतीय संदर्भ में सर्वाधिक समग्र और नैतिक समाधान महात्मा गांधी के लेखन में मिलता है, जिसे संघ परिवार ने प्राय: अनदेखा ही किया है।

> **इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है।**

इसी प्रकार संघ प्रभावित इतिहास लेखन पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इतिहास सुधार के नाम पर अक्सर ऐसा देखा गया है कि किसी ऐतिहासिक / औपनिवेशिक दस्तावेज़, पत्र या भाषण से एक पंक्ति को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि उसी दस्तावेज़ के शेष भाग में उस कथन की आलोचना या व्याख्या मौजूद होती है। चयनात्मक उद्धरण इतिहास का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि वैचारिक पुष्टि का उपकरण बन जाता है। कई अवसरों पर पौराणिक आख्यानों को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे इतिहास और मिथक के बीच की आवश्यक बौद्धिक दूरी धुंधली हो जाती है। यह पद्धति इतिहास-लेखन की स्वीकृत अकादमिक कसौटियों के विपरीत है।

भारतीय बौद्धिक इतिहास में राष्ट्रवाद कोई एकरेखीय या एकरूप अवधारणा नहीं रही है। यह विभिन्न वैचारिक धाराओं – उदारवाद, समाजवाद, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नैतिक राजनीति और औपनिवेशिक प्रतिरोध – के संवाद और संघर्ष से विकसित हुआ है। ऐसे में किसी भी संगठन या विचारधारा द्वारा यह दावा करना कि वही राष्ट्रवाद की एकमात्र प्रामाणिक अभिव्यक्ति है, अकादमिक दृष्टि से अस्थिर प्रतीत होता है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू का लेखन आधुनिक भारतीय राष्ट्रवाद की वैचारिक धुरी के रूप में देखा जाना चाहिए। गांधी का राष्ट्रवाद नैतिकता, अहिंसा, सामाजिक समावेशन और आत्मालोचन पर आधारित था। उनके लिए राष्ट्र कोई धार्मिक या सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच नैतिक सह अस्तित्व की परियोजना था। इसी प्रकार नेहरू का राष्ट्रवाद वैज्ञानिक चेतना, आधुनिकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं और बहुलतावादी समाज की कल्पना से जुड़ा हुआ था। इसके विपरीत, संघ समर्थित विमर्श में राष्ट्रवाद का स्वरूप प्राय: सांस्कृतिक-धार्मिक पहचान तक सीमित दिखाई देता है। 'राष्ट्र' को बहुधा 'हिन्दू राष्ट्र' के पर्याय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें नागरिकता, अल्पसंख्यक अधिकार, और वैचारिक बहुलता के प्रश्न गौण हो जाते हैं। यह राष्ट्रवाद आधुनिक राष्ट्र-राज्य की जटिलताओं से अधिक, सांस्कृतिक एकरूपता की आकांक्षा से संचालित प्रतीत होता है। इसी कारण इसे अकादमिक स्तर पर 'छद्म राष्ट्रवाद' कहा जा सकता है – ऐसा राष्ट्रवाद जो भावनात्मक रूप से प्रभावी है, पर वैचारिक रूप से अपूर्ण।

संघ समर्थित लेखन का एक और संरचनात्मक दोष यह है कि वह स्वयं को नैतिक रूप से 'आलोचना से परे' घोषित करने की प्रवृत्ति रखता है। यह कहा जाता है कि यह लेखन पुरस्कार, अकादमी या विश्वविद्यालयों के लिए नहीं, बल्कि 'संस्कार' के लिए है। किंतु अकादमिक विमर्श में यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। यदि कोई लेखन सार्वजनिक सत्य का दावा करता है, तो उस पर प्रश्न, परीक्षण और असहमति का अधिकार भी उतना ही वैध है।

संघ परिवार के बौद्धिक लेखन में एक और उल्लेखनीय समस्या 'वामपंथ' की परिभाषा को लेकर दिखाई देती है। वामपंथ को अक्सर साम्यवादी या मार्क्सवादी विचारधारा तक सीमित कर दिया जाता है और उसे एक समरूप, षड्यंत्रकारी और राष्ट्रविरोधी शक्ति के रूप में चित्रित किया जाता है। यह दृष्टिकोण न केवल ऐतिहासिक रूप से गलत है, बल्कि बौद्धिक रूप से भी संकीर्ण है। वामपंथी विचारधारा वास्तव में एक व्यापक वैचारिक स्पेक्ट्रम है, जिसमें समाजवादी, प्रगतिशील, मानवतावादी, स्त्रीवादी, रूढ़ि विरोध और लोकतांत्रिक विचारधाराएँ सम्मिलित हैं। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक, वामपंथी और प्रगतिशील विचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हें केवल विदेशी आयात या राष्ट्रविरोधी विचार कहकर खारिज करना बौद्धिक सरलीकरण है, न कि विश्लेषण। सबसे गंभीर प्रश्न सत्यनिष्ठा का है। कई अवसरों पर संघ-परिसर से जुड़े लेखकों द्वारा ऐसे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं जिनके स्रोत अस्पष्ट हैं या जो बाद में असत्य सिद्ध हुए हैं। विचारधारात्मक प्रतिबद्धता तथ्यात्मक शिथिलता का औचित्य नहीं बन सकती। राष्ट्रवादी भाषा में कही गई असत्य बातें भी असत्य ही रहती हैं और अंतत: उसी वैचारिक परंपरा की विश्वसनीयता को क्षति पहुँचाती हैं।

यह कहना आवश्यक है कि यह आलोचना किसी एक विचारधारा के पक्ष या विपक्ष में नहीं, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी के पक्ष में है। यदि संघ-परिसर वास्तव में वैचारिक परिपक्वता का दावा करता है, तो उसे सबसे पहले अपने ही लेखन को कठोर अकादमिक कसौटी पर कसने का साहस दिखाना होगा। बिना आत्मालोचना के कोई भी बौद्धिक परंपरा दीर्घकालिक प्रभाव नहीं छोड़ सकती। अंतत:, लेखक की पहचान भावनात्मक प्रभाव से नहीं, बल्कि विचार की संगति, प्रमाण की विश्वसनीयता और पद्धति की ईमानदारी से बनती है। जब तक इस बुनियादी सत्य को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक संघ-समर्थित बौद्धिक दावे आलोचना से मुक्त नहीं हो सकते।

(लेखक गांधीवादी विचारक व समाजसेवी हैं)

यात्रा वृत्तांत

पश्चिम के उस देश में जो सदा कलाकारों को प्रिय रहा है

■ सेठ गोविंददास

हम सबसे पहले रोम के प्रसिद्ध सैंट पाल गिरजाघर को देखने गए। कितना विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है। बनावट तथा उसकी सामग्री में तो नहीं, परंतु विशालता, भव्यता और सौंदर्य में इसका पूरा मिलान काहरा की मुहम्मद अली की मस्जिद से हो सकता है। जैसा विशाल, भव्य और सुंदर यह गिरजाघर है वैसी ही काहरा की वह मस्जिद और दोनों है उस जगदाधार जगदीश्वर की वंदना के स्थान। मुझे एकाएक दक्षिण भारत के ऐसे ही विशाल, भव्य और सुंदर श्री रंग, रामेश्वर एवं मीनाक्षी देवी मंदिरों का स्मरण हो आया। उन मंदिरों के गोपुरों, मंडपों आदि में भी ऐसी ही विशालता, भव्यता और सौंदर्य दिखता है, चाहे बनावट सर्वथा दूसरे प्रकार की ही क्यों न हो। तो स्थापत्यकला की भिन्न-भिन्न प्रणालियों से इन वस्तुओं का मन पर जो प्रभाव पड़ता है, उस प्रभाव का कोई संबंध नहीं है। चाहे स्थापत्यकला भिन्न-भिन्न प्रकार की हो, पर यदि निर्मित वस्तु में विशालता है, भव्यता है और सौंदर्य है तो मन पर उस वस्तु का प्रभाव एक-सा ही पड़ेगा। हाँ, इस दर्शन से आनंद प्राप्त करने के लिए मन को उदार होने की आवश्यकता अवश्य है। यदि मन में संकीर्णता है और धर्मांधता कि इस प्रकार की भावना कि चाहे हाथी के पैर के नीचे कुचल जाओ पर जैन मंदिर में पैर न रखो तो फिर मन को कोई आनंद प्राप्त नहीं हो सकता। इसलिए गाँधी जी की प्रार्थना के समय 'रघुपति राघव राजा राम' के साथ 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम' भी गाया जाता था। मेरे मन में काहरा की मुहम्मद अली को मस्जिद और रोम के सैंट पाल गिरजाघर के दर्शन से कुछ वैसे ही आनंद की उत्पत्ति जैसे भारत में दक्खिन के विशाल मंदिरों के दर्शन के समय हुई थी और इस आनंद में मुझे उस परमपिता परमात्मा की भी याद आई जिसकी महानता के स्मरण के लिए ही इन महान वस्तुओं का निर्माण हुआ था। हाँ, काहरा की मस्जिद और रोम के इस गिरजाघर की क़ब्रें मुझे ज़रा भी अच्छी न लगीं। नित्य के उस दर्शन की मन में अभिलाषा उत्पन्न कराने के लिए जिन ऐसी वस्तुओं का निर्माण होता है उनमें इस क्षणभंगुर अनित्य शरीर की कल क्यों बनाई जाएँ।

> **सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया।**

सैंट पीटर गिरजाघर के बाद सैंट पाल रोम का सबसे बड़ा गिरजाघर है। 1823 के अग्निकांड में जल जाने के बाद लगभग समूचा गिरजाघर ही फिर से बनाया गया है। यह गिरजाघर कान्स्टेन्टाइन ने बनवाया था। इसी स्थल पर सैंट पाल का सिर उतारा गया था। पाँचवीं शताब्दी में इस गिरजाघर को बड़ा बनाया गया। समय-समय पर गिरजाघर में और भी सजावट होती रही। अंत में इसकी गणना सर्वोत्तम गिरजाघरों में होने लगी। प्रोटेस्टेंट मतानुयायियों के सुधार-आंदोलन से पहले यह गिरजाघर इंग्लैंड के बादशाह के संरक्षण में रहता था।

यह गिरजाघर कालडेरिनी के डिज़ाइन के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें 146 स्तंभ है। मध्य में सैंट पाल की मूर्ति है। पीछे गुलाबी ग्रेनाइट के दस स्तंभ हैं।

इस गिरजाघर से हम गए उस स्थान पर जहाँ किसी ज़माने में मानव से सिंह की कुश्ती कराई जाती थी और उसे देखने चारों ओर नर-नारी एकत्रित होते थे।

वह स्थान फ्लैवियन (Flavian) वंश के सम्राट् वैस्पेसियन ने बनवाया था। इसी स्थल पर नीरो के उद्यान की अप्राकृतिक झील थी। इस इमारत को सम्राट वैस्पेसियन के पुत्र टीटस ने 80 ईसवी में पूरा किया। इसका उद्घाटन समारोह सौ दिन तक चलता रहा और इस बीच कोई पाँच हज़ार वन्य पशुओं का वध किया गया। भूचाल, मरम्मत न होने और नागरिकों के दुरुपयोग के कारण यह इमारत बहुत कुछ नष्ट हो गई। इसे कोलोसियम कहा जाता है जो रोमन सम्राटों का क्रीड़ास्थल था और बर्बरता का केंद्र भी। कोलोसियम नाम पड़ने का कारण या तो यह हो सकता है कि यह इमारत ही अत्यंत विशाल है अथवा यह कि पास ही में नीरो की जो मूर्ति है वह अत्यंत विशाल है। यह इमारत अंडाकार है। इसका घेरा 576 गज है, लंबाई 205 गज है और चौड़ाई 170 गज है। इसकी ऊँचाई 157 फुट है। इमारत चौमंजिली है। अंदर अखाड़े के चारों ओर 50 हज़ार दर्शकों के बैठने लायक स्थान है। अखाड़े में मसीहियों पर किए गए अनेक अत्याचारों के स्मारक के रूप में क्रॉस रखा हुआ है। इमारत की चार मंज़िलों में से पहली तीन में स्तंभ हैं जो क्रमश: डौरिक, आयोनिक और कोरिथियन क़िस्म के हैं। चौथे मंजिल पर दीवार है जिसमें चौकोर खिड़कियाँ हैं।

इसके अंदर के अखाड़े की लंबाई 94 और चौड़ाई 59 गज है। अखाड़े के मैदान के चारों और पाँच गज ऊँचा चबूतरा-सा हैं। यह स्थान सम्राट के बैठने के लिए होता था। बड़े-बड़े अधिकारी —सेनेट के सदस्य, मजिस्ट्रेट, राजदूत, पुरोहित आदि और देवदासी कुमारियों को भी यहाँ स्थान दिया जाता था।

पहली मंज़िल बहादुर जवानों और सरदारों के लिए होती थी। बीज की मंज़िल नागरिकों के लिए होती थी और इसके उपरांत दीन जनों के लिए देखने का प्रबंध था। महिलाओं के लिए अलग गैलरी निश्चित थी।

प्राचीनकाल में यह कहा जाता था कि जब तक रोम में कोलोसियम है तब तक रोम भी है, इसके पतन के साथ-साथ रोम का पतन हो जाएगा और रोम के पतन के साथ-साथ संसार का पतन हो जाएगा।

पुस्तक : पृथ्वी परिक्रमा (पृष्ठ 55)
रचनाकार : सेठ गोविंददास
प्रकाशन : हिंदी प्रिंटिंग प्रेस संस्करण : 1954

'तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ'

■ उषा दशोरा

दूर तक फैले कीकर और बबूल के पेड़ों के बीच कच्ची पगडंडी पर सीताफल के दो पेड़ थे। उसी कच्ची पगडंडी पर चलते हुए ज़रा पीछे की ओर गरदन मोड़ लो तो सरकारी स्कूल का फाटक दिखने लगता था। लड़का-लड़की छुट्टी के घंटे के बाद इसी स्कूल से लौट रहे थे। लड़की कुछ आगे चलती थी और लड़का उसके आठ क़दम पीछे। उन दोनों के बीच वो आठ क़दम की दूरी ख़ाली दिखती थी, पर ख़ाली थी नहीं। क्या था उस ख़ाली जगह में?

और क्या? दो अल्हड़ फ़िरदौस दिलों में पहले-पहले लिखे प्रेमपत्र में इज़हार की घबराहट और ज़वाब के इंतज़ार की बेचैनी?

प्रेम में थे लड़का-लड़की। प्रेमपत्रों में ख़्वाबों की डोरियाँ गूँथते थे लड़का-लड़की। जब ज़मीन भयंकर बारिश के पानी में डूब रही थी, तब भी प्रेमपत्र के इंतज़ार में थे लड़का-लड़की। जब रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ उड़ रही थी, तब भी प्रेमपत्र लिख रहे थे लड़का-लड़की।

तब दुनिया के सारे प्रेमी ख़ब्ती थे। मासूम ख़ब्ती। अगर तुम भी कभी मासूम प्रेमी थे। तो इंशा जी पर अभरोसे का सवाल ही कहाँ?

—ये बातें झूठी बातें हैं, ये लोगों ने फैलाई हैं।

हाँ बेकल-बेकल रहता है, प्रीत में जिसे दिल हारा पर शाम से लेकर सुबह तलक यूँ कौन खड़े हैं आवारा।

देखा तुमने, देखा? चलते-चलते वह लड़की रुक गई। फिर देखो, वहीं दोनों सीताफलों के पेड़ों के बीच लड़की मिट्टी में बैठ गई। गुम हुई कोई चीज़ ढूँढ़ने का बहाना करती हुई। अचानक उसने बँधी हुई जूते की लेस खोली। फिर से लेस बाँधने लगी। लड़की अब जा चुकी है। जहाँ बैठी थी, वहाँ अब प्रेमपत्र रखा है। धीरे से लड़के ने आठ क़दम पूरे किए और टुकुर-सा अपना पैर उस प्रेमपत्र के पास धर दिया। पास उगी जंगली चमेलियों की बेलें क्यों न मुस्काए इस मासूमियत पर? कहो तो? सारे प्रेमियों को लगता दुनिया को मूर्ख बनाना उसका अधिकार है। इधर सारी दुनिया को लगता है प्रेमियों पर नज़र रखना उनका कर्तव्य।

अब लड़का पगडंडी पर अकेला था। लड़की घर जा चुकी थी। स्कूल पीछे छूट चुका था। उस शाम पाँच बजे लड़के ने अपने जीवन का पहला प्रेमपत्र पढ़ा। गवाह थे वो दोनों सीताफल के पेड़। जिसके तने पर लड़के ने नुकीले पत्थर से लड़की के नाम का पहला अक्षर महीनों पहले ही गोद दिया था। उसने प्रेमपत्र को कई बार चूमा। प्रेमपत्र पढ़ते-पढ़ते कई बार आँखें मींची। कई बार वहाँ लिखी लाइनें दोहराते हुए होठ भींचे। नीली स्याही पे उँगुलियाँ फेरते हुए प्रेमपत्र यूँ समेटा जैसे लड़की का नाज़ुक दिल।

उन दिनों लड़का देर रात क्षेत्रफल के सवाल हल करते-करते अचानक रुक जाता। रुककर गणित की कॉपी के आखि़री पन्ने पर प्रेमपत्र लिखता। उन दिनों ही लड़की पेन का ढक्कन चबाते-चबाते तकिया पेट के नीचे दबा लेती। पाँव हवा में झुलाती और प्रेमपत्र का ज़वाब लिखती।

उन दिनों लड़की किसी शादी में दूल्हा-दुल्हन को देखती तो तमाम रेशमी ख़्याल प्रेमपत्र में बिखराकर लड़के तक पहुँचा देती।

उन दिनों ही तो नोहरे में पंगत जिमाने के बाद लड़का किसी टूटी दीवार के पीछे बैठा लड़की का भेजा प्रेमपत्र पढ़ता और पचासों बार चूमता।

ये वो वाले दिन थे—जब मछलियों को उड़ने वाले ख़्वाब देखने पर सख़्त पहरा था और चिड़िया के तैरने वाले ख़्वाब देखने पर कड़ी पाबंदी थी। ये वो वाले दिन थे—जब दुनिया प्रेमपत्रों से भरी पड़ी थी : तकियों के नीचे, किताबों के बीच, अलमारी के भीतर, चावल के डब्बों में, सूखी लड़कियों की ढेर के नीचे, गमले की मिट्टी में गढ़े और कपड़ों के तहों में हर जगह धड़कते हुए प्रेमपत्र धीमी साँस लेते थे। ये वो वाले दिन थे—जब एंटिना घूमाने के बहाने, कपड़े सुखाने के बहाने, पतंग उड़ाने के बहाने, बाल सुखाने के बहाने प्रेम बसंत मुहल्लों में खिलता था। ये वो वाले दिन थे—जब तमाम चुंगी-नाका, तमाम चेकपोस्ट, तमाम बेरिकेट्स के बावजूद छोटा भाई, प्रेमी का कोई दोस्त, माशूक़ा की पक्की सहेली, अभी-अभी आई नई नवेली भाभी की हथेलियों से गुज़रते हुए हज़ारों प्रेमपत्र चुपके से दुनिया के प्रेमियों तक पहुँच रहे थे।

फिर एक दिन दुनिया के तमाम लड़का-लड़की बड़े हो गए। इतने बड़े की प्रेमपत्र छोटे रह गए। दुनिया के वे तमाम लड़का-लड़की जल्दी-जल्दी आगे बढ़ गए। इतने आगे बड़े की प्रेमपत्र पीछे रह गए।

—मैं फ़रवरी को प्रेम लिख रही हूँ
और तुम प्रेम को फ़रवरी समझना।

एक मुरझाए फूल ने दूसरे मुरझाए फूल को अभी-अभी एक शाइरी सुनाई। जो प्लास्टिक की पन्नीवाले फ़्लावर बुके में फँसे थे। लेकिन शाइरी सुनने के बाद फ़रवरी के मुँह से वाह! वाह! की कोई आवाज़ नहीं आई।

कैसे आती? फ़रवरी के सीने पर दुनियाभर की मुहब्बत का बाज़ार दौड़ रहा था। वज़्न था उसके सीने पर प्रेम को ज़िंदा रखने का। लड़का-लड़की के हाथों में लाल गुलाब थे, चॉकलेट थी, टेडीबियर थे, हाथों में हाथ थे। नाच था, गान था। मोमबत्तियों की रोशनियों में डिनर था, जाम था। उन दोनों के बीच नहीं था तो बस एक प्रेमपत्र।

अब भी ज़मीन भयंकर बारिश में डूब रही थी। अब भी रेगिस्तान में पीली रेतीली आँधियाँ चल रही थी। पर कहाँ चले गए थे प्रेमपत्र को चूमनेवाले लड़के? कहाँ थी प्रेमपत्र के जवाबों का इंतज़ार करती लड़कियाँ?

दुनिया के सारे प्रेमपत्र किताबों में, तकिए के नीचे, चावल के डिब्बों में, ईंटों के नीचे, कपड़ों की तहों में अकेले रह गए थे। उन्हें ढूँढ़ने कभी कोई प्रेमी पीछे लौटकर क्यों नहीं जाता? हर साल प्रेमवाली फ़रवरी आती रहीं, प्रेमवाली फ़रवरी जाती रहीं। हर साल प्रेमवाली फ़रवरी कहती रहीं—

तेरे ख़त आज मैं गंगा में बहा आया हूँ।
आग बहते हुए पानी में लगा आया हूँ।
[राजेंद्र नाथ रहबर]

क्या इस वक़्त प्रेमपत्र लिखता कोई प्रेमी सुन रहा है फ़रवरी को?

(हिन्दवी से साभार)

■ हेमन्त शेष

दो कविताएं

प्यार का क्या करें कविगण

भारत में प्रेम एक घटिया शब्द
बनाया जा चुका है। और रहेगा।
इसे ही मुंबई का सिनेमा कहता है 'प्यार'
रही सही कसर सस्ते उपन्यास-सम्राटों ने पूरी कर दी है।
स्थिति यह है कि अब प्रेम करने वाले भी प्रेमी कहलाने से डरते हैं।
पर विडम्बना देखिए
गाहे-बगाहे हमें भी
पूरी गंभीरता से करना पड़ता है
इसी शब्द का इस्तेमाल।
और तब हम भीतर से प्रेम को लेकर उतने चितिंत नहीं होते
जितने होते हैं इसके दु:खद पर्यायवाची से:
कुछ खास-खास मौकों पर
हूबहू प्रेमी की तरह दिखते हुए 'प्यार' शब्द से डरते ,
भीतर से पर
महज
कवि रहते ।

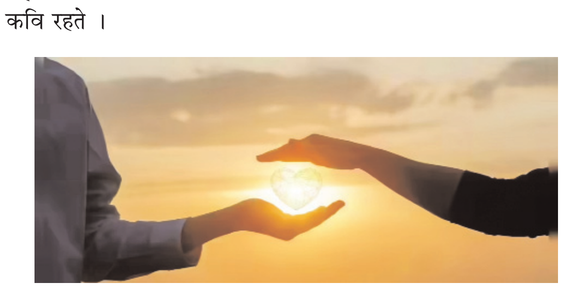

दूसरा दर्ज़ा

दोपहर का वक़्त था वह
पर ठीक दोपहर जैसा नहीं,
नदी जैसी कोई चीज़ भागती हुई खिड़की से बाहर
सूख रही थी
पुलों और पटरियों के शोर को उलाँघता
किसी तंद्रा में कहीं जा रहा था मैं
बाहर
खेतों से उलझ रही थीं झाडियाँ
झाड़ियों से बेलें बेलों पर तितलियाँ तितलियों पर
रंग
उन्हें ठहर कर देखने की हम में से भला
किसको फ़ुरसत थी
दृश्य जैसा हू-ब-हू
वह एक दृश्य था: किसी घाव की तरह ताज़ा और
दयनीय
कछार का छू कर आ रही हवा में थे कुछ
जड़े हुए पहाड़
जिन पर छाई पीली घास
ऐसी दिखती थी जैसे कछुए की पीठ को
किसी ने रेती से घिस दिया हो

लाखों बरस पहले
चिड़ियों को पंख दिए गए थे
वे लोहे के अजगर की रफ़्तार से अभिभूत
एक साथ लहराती हुई उड़ रहीं थीं

किसी अप्रिय ज़िम्मेदारी के निर्वाह में
लोगों ने अपने घर छोड़े होंगे अक्सर इतिहास में
इसी तरह
अकेला कइयों के साथ मैं कहीं चला जाता था

वे क्यों चल रहे थे मेरे साथ
इस अन्तहीन समय में
आखि़र किस भरोसे पर

मैं किससे पूछता भी तो आखि़र किस से
ऊँघते और एक-दूसरे पर गिरते हुए भी वे प्राय:
निर्दोष लग रहे थे
डिब्बे के साथ-साथ अकेले लोग
हालाँकि थे वे एक दूसरे से बेतरह ऊबते

सार-समाचार

थाने में आरोपी राजेश पटेल ने लगाई फांसी, मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के राजनगर थाना में पुलिस कस्टडी में एक आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राजेश पटेल है जो कि इमलया गांव का रहने वाला है। उसे पुलिस ने धारा 151 में गिरफ्तार कर थाने में बंद किया था। थाने में आरोपी द्वारा फांसी लगाने का पता चलते ही पुलिस वालों के हाथ पांव फूल गए। आनन-फानन में उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाने के अंदर हुई इस घटना ने पुलिस और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना की न्यायिक जांच की जा सकती है।

नर्स से बदसलूकी पर मानवाधिकार आयोग ने कलेक्टर, एसपी से मांगा जवाब

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में एक नर्स के साथ बदसलूकी करके उस पर थूकने की घटना को संज्ञान में लेकर मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने छतरपुर कलेक्टर और एसपी को नोटिस देकर मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

बता दें कि छतरपुर के जिला अस्पताल में पदस्थ एक महिला नर्स के साथ कुछ युवकों द्वारा अभद्रता की गई थी। युवकों ने नर्स से बदसलूकी करते हुए उस पर थूकने की शर्मनाक घटना को भी अंजाम दिया था। नर्स ने सुरक्षा की कमी और कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायत की, तो यह मामला तूल पकड़ गया। मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने इस घटना को गंभीरता से लेकर स्वत: संज्ञान में लेकर कलेक्टर और एसपी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। आयोग ने प्रशासन से पूछा है कि कार्यस्थल पर नर्सों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और दोषियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी मौन साधे हैं। उल्लेखनीय है कि छतरपुर जिले में हाल ही में नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अभद्रता की अन्य घटनाएं भी दर्ज की गई हैं, जिनमें अपहरण की कोशिश और कार्यस्थल पर हमले जैसी घटनाएं शामिल हैं। इनके कारण स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों में असुरक्षा का डर है।

आग तापते समय झुलसकर महिला की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देरी में शनिवार को सुबह आग तापते समय 55 वर्षीय एक महिला की झुलसकर मौत हो गई है। बताया गया है ग्राम देरी निवासी सोना बाई अहिरवार पत्नी वीरेन्द्र अहिरवर 55 वर्ष शनिवार सुबह खेत के पास बने अपने घर में अलाव लगाकर आग ताप रही थी। तभी अचानक वह बेहोश होकर आग में गिर गई, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई और पास रखे कपड़े भी आग में जल गए थे। गंभीर हालत में उसे तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी उमा परिहार का कहना है मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

सिंचाई करते समय करंट लगने से महिला की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र के ग्राम मातगुवां में शुक्रवार को दोपहर बाद खेत पर सिंचाई करते समय करंट लगने से 60 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार मातगुवां निवासी कालिया बाई अहिरवार पत्नी मोतीलाल अहिरवार 60 वर्ष दोपहर में अपने खेत की सिंचाई करने गई थी। पानी का मोटरपंप चालू करते समय एक तार उसकी साड़ी में फंस जाने से उनके पैर में करंट लग गया। जिससे वह वहीं बेहोश होकर गिर पड़ी। इसकी जानकारी मिलने पर उसे तुरंत निजी वाहन से मातगुवां अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पीएम कराके परिजन को सौंप दिया है। मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर भेजने के निर्देश

विकास को मिलेगी रफ्तार, नगरीय प्रशासन आयुक्त ने किया पैदल निरीक्षण

सांची, देशबन्धु। नगर में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में शनिवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत एस. भोंडवे ने नगर का पैदल भ्रमण कर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। विशेष रूप से नाला निर्माण सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बस स्टैंड परिसर का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने स्थल की गरिमा के अनुरूप सुंदर एवं व्यवस्थित बस स्टैंड परिसर में मार्केट निर्माण के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार करने को कहा।

वहीं नाला निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये, रेशम केंद्र स्थल के समग्र विकास हेतु लगभग तीस करोड़ रुपये तथा कचरा प्लांट तक पहुंच मार्ग निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये तक के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि सभी प्रस्ताव समयबद्ध तरीके से भेजे जाएं, ताकि स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र राशि आवंटित की जा सके। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम, सीएमओ रामलाल कुशवाहा सहित पार्षदगण एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूजीसी कानून का विरोध, सवर्ण समाज ने बैठक कर बनाई आंदोलन की रूपरेखा

रायसेन, देशबन्धु। यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण समाज एकजुट हो रहा है। शुक्रवार रात संस्कार धाम मंदिर में सर्व सवर्ण समाज ने एक बैठक आयोजित कर आगामी दिनों में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की। विभिन्न समाजों के प्रमुखों की उपस्थिति में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की गई। इसके बाद तीन तरह के आंदोलन तय किए गए। जिनकी शुरुआत जल्द ही की जाएगी। बैठक में सभी सवर्ण समाजों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि सहित अनय प्रमुख मौजूद थे। वरिष्ठजनों ने अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए एकजुट होकर सरकार द्वारा थोपे जारहे नए यूजीसी एक्ट का पुरजोर विरोध करने की अपील की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में सवर्ण समाज के बच्चों से जनप्रतिनिधियों और चुनाव में उनसे हारे विपक्षी नेताओं को फोन करवाएंगे। उनसे यह सवाल करवाएंगे कि यूजीसी कानून के मुद्दे पर उनका पक्ष क्या है। जनपतिनधि-विपक्षी नेता के जवाब को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल किया जाएगा। दूसरा निर्णय भाजपा कार्यालय को बच्चों से भरने का लिया गया। तय किया गया कि किसी एक दिन सवर्ण समाज के बच्चों को भाजपा जिला कार्यालय लाकर पार्टी के जिलाध्यक्ष और स्थानीय विधायक के सुपुर्द कर उनके भविष्य की जिम्मेदारी उन्हें ही सौंपेंगे। आंदोलन की तसरी कड़ी में सरकार की अर्थी निकालकर दाह संस्कार किया जाएगा। शहर के प्रमुख मार्गों से अर्थी यात्रा निकालकर सागर तिराहा पर लाकर उसका दाह संस्कार किया जाएगा। बैठक में सभी समाजों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, प्रमुख नागरिक मौजूद थे।

स्टैट बैंक की पहल, वृद्धाश्रम को मिली जरूरी सामग्री

रायसेन, देशबन्धु। विगत दिवस स्टैट बैंक ऑफ इंडिया विदिशा रोड शाखा की ओर से स्थानीय तृप्ति वृद्धाश्रम को चार सीलिंग पंखे, दो व्हील चैयर, और सौर ऊर्जा पैनल लगवाकर भेंट किए ताकि आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को गर्मियों में राहत मिले। बैंक के इस पुनीत कार्य की वृद्धाश्रम के संचालकों ने प्रशंसा करते हुए क्षेत्रीय कार्यालय विदिशा के साथ शाखा प्रबंधक अविनाश कुमार के प्रति अपना आभार वयक्त किया है। स्टैट बैंक की इस पहल की शहर के प्रबुद्ध जनों ने प्रशंसा की है।

सोमेश्वर महादेव मंदिर को वर्षभर खोलने की मांग

- **राष्ट्रपति-राज्यपाल के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन**

सिलवानी, देशबन्धु। रायसेन दुर्ग स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक रायसेन किला में विराजमान सोमेश्वर महादेव मंदिर को वर्षभर दर्शनार्थ खोले जाने तथा रमज़ान अवधि में दुर्ग परिसर में परंपरागत तोप संचालन पर संरक्षणात्मक पुनर्विचार की मांग को लेकर सोमेश्वर धाम मुक्ति मोर्चा के तत्वधान में शनिवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार को राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन संरक्षित इस मंदिर को वर्तमान में वर्ष में केवल महाशिवरात्रि के अवसर पर एक दिन के लिए दर्शनार्थ खोला जाता है। मोर्चा का कहना है कि यह मंदिर क्षेत्रीय जनमानस की आस्था, सांस्कृतिक परंपरा एवं धार्मिक भावनाओं का प्रमुख केंद्र है, अत: इसे नियंत्रित एवं विनियमित व्यवस्था के साथ प्रतिदिन निर्धारित समयावधि में खोला जाना चाहिए। ज्ञापन में वर्ष 1974 के जनआंदोलन का भी उल्लेख किया गया, जिसके पश्चात तत्कालीन शासन

के निर्णय से महाशिवरात्रि पर एक दिन के लिए मंदिर खोले जाने की परंपरा प्रारंभ हुई थी। पदाधिकारियों ने तर्क दिया कि जब एक दिन नियंत्रित व्यवस्था में दर्शन संभव है, तो वर्षभर सीमित समय के लिए भी सुरक्षा मानकों के साथ दर्शन कराए जा सकते हैं। इसके लिए सीमित समय निर्धारण, नियंत्रित प्रवेश, प्रशासनिक पर्यवेक्षण, सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा बलों की तैनाती जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं। मोर्चा ने प्रशासन से आग्रह किया है कि जनभावनाओं एवं संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए प्रकरण पर सकारात्मक अनुशंसा कर इसे राष्ट्रपति एवं राज्यपाल तक अग्रेषित किया जाए, ताकि सक्षम स्तर पर उचित निर्णय लिया जा सके।

लापरवाही : आंगनबाड़ी में एक सप्ताह से नहीं बंटा मध्यान्ह भोजन

छतरपुर, देशबन्ध। जनपद पंचायत बिजावर के अंतर्गत ग्राम गोपालपुरा के आंगनवाड़ी केन्द्र में एक सप्ताह से मध्यान भोजन नहीं बंटा है। दरअसल में स्वसहायता समूह की लापरवाही से भोजन बनाया ही नहीं गया है, तो बच्चों को बंटता कैसे। आंगनवाड़ी में कार्यकर्ता के अनुसार एकता स्वसहायता समूह संचालित करने वाली महिलाएं बिना पूर्व सूचना के शादी में गई हैं। इस कारण न भोजन बना न बांटा गया है। बिजावर के महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमार बागरी ने इस बारे में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए बताया मुझे किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं है। मैं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से पूंछतांछ करता हूं। इससे स्पष्ट है कि जिम्मेदार अधिकारी कितने लापरवाह हैं। उन्हें न प्रतिदिन आंगनवाड़ी केन्दों की मॉनीटरिंग करने की फुर्सत है, न सुपरवाइजर व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी लेने की सुध है।

प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर निकाली शोभायात्रा

सिलवानी। नगर स्थित श्री अनगढ़ हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय पंच कुंडात्मक श्रीरूद्र महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। आयोजन के प्रति श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और पूरा नगर हर-हर महादेव एवं बम-बम भोले के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में डीजे, ढोल-नगाड़ों और वाद्ययंत्रों की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। भगवान भोलेनाथ की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। नगर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। आयोजन समिति के अनुसार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत भगवान शिव की प्रतिमाएं नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित की जाएंगी। इनमें प्रमुख रूप से श्री अनगढ़ हनुमान मंदिर, वार्ड क्रमांक 14, अशोक विहार कॉलोनी वार्ड क्रमांक 15, बेगवां कला निवासवार्ड क्रमांक 1, अमपानी पानी क्षेत्र साई नाथ कॉलोनी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर इन मंदिरों में भगवान शिव विधिवत विराजमान होंगे। नगर में चल रहे सात दिवसीय पंच कुंडात्मक श्री रूद्र महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का समापन वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा।

ग्राम बरखेड़ा में हुआ दर्दनाक हादसा

जनपद सदस्य को कार ने मारी टक्कर, 40 मीटर तक घसीटा, मौत

संवाददाता ओबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेडा में गुरुवार रात करीब 9 बजे तेज रफ्तार कार की टक्कर से जनपद सदस्य अनूप कुमार भलावी (34), निवासी बांसगहन की मौत हो गई। वह दोस्त आरिफ के साथ मोटरसाइकिल (एमपी 38 एम ओ 4056) से सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान मोड़पर तेज रफ्तार कार (एमपी 04 जेडबी 5360) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर में आरिफ गिरकर घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चालक अनूप को करीब 40 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पास के लोगों ने बताया कि जनता ने अपने निजी कारणों से रोड पर बने डिवाइडरों को तोड़ दिया है जिससे तेज रफ्तार वाहनों के सामने अचानक जानवर या रोड पर करने वाले इत्यादि आ जाते है। घटना स्थल पर सर्विस रोड की स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद होने के कारण चारों ओर अंधेरा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था समुचित नहीं होने से पहले भी हादसे होते रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। औपचारिकताएं पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बागेश्वर धाम विवाह महोत्सव : दुल्हन बोली, बाबा ने पिता का फर्ज निभाया

छतरपुर, देशबन्धु। ग्राम गढा स्थित बागेश्वर धाम में सप्तम सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव में शनिवार को दिन में मेंहदी कार्यक्रम हुआ, शाम को संगीत कार्यक्रम होगा। यहां शाम तक करीब 50 से अधिक दूल्हा-दुल्हन पहुंच चुके हैं। बाकी दुल्हनें रविवार को सुबह तक यहां पहुंच जाएंगी। सुबह 10 बजे के बाद बारात निकाली जाएगी। इसके बाद वैवाहिक रस्में होंगीं।

दुल्हनों को जयपुर, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और छतरपुर सहित कई स्थानों से आई टीमों ने अपने सामानों से मेहंदी लगाई, ये टीमें रविवार को दुल्हनों का मेकअप भी करेंगीं, ये सारा काम नि:शुल्क रहेगा। यहां उत्तर प्रदेश से पहुंची दुल्हन मुस्कान कश्यप् ने अपने हाथों की मेंहदी दिखाते हुए रुंधे गले से बताया कि डेढ साल पहले पिता की कैंसर से मृत्यु हो गई थी। घर में मां और दो छोटे भाई हैं। आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि दो वक्त का खाना भी नहीं मिल पाता है। मां सरकारी स्कूल में खाना बनाकर और मैं सिलाई करके किसी तरह से थोड़ी सी कमाई कर लेती हूं। हमने तो सपने में भी नहीं सोचा था कि हमारी शादी हो पाएगी।

बाबा बागेश्वर ने पिता का फर्ज निभाकर हमें अपने आर्शीवाद से नया जीवन दिया है। अन्य दुल्हनों ने कहा बाबा ने गरीब बेटियों को सहारा देकर हमारा घर बसाया है, वे हमारे लिए पिता से बढकर हैं। लोगों को ऐसे संतों की बुराई करना छोड़ देना चाहिए। बागेश्वर धाम के कथा वाचक धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने जात-पात की करो विदाई, हम सब भाई-भाई का संदेश देते हुए कहा केवल बातों से नहीं, मंदिरों में संतों के माध्यम से सनातन एकता संभव है। बागेश्वर धाम वैदिक गुरुकुल, कैंसर अस्पताल और अन्नपूर्णा प्रकल्प के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, ताकि सनातन मूल्यों को उदाहरण के रुप में प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने बताया बीते रोज यहां पार्श्व गायिका अनुराध पोडवाल और फिल्मी कलाकार मनोज तिवारी भी आ गए हैं, ये संगीत की शानदार प्रस्तुति देंगे।

4 शिकारियों को सुनाई एक-एक साल सश्रम कारावास की सजा

बड़ामलहरा, देशबन्धु। जंगल में वन्य प्राणी चीतल का शिकार करने वाले 4 आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार देकर उन्हें एक-एक साल के सश्रम कारावास और दस-दस हजार जुर्माना की सजा सुनाई है। अभियोजन कथा के अनुसार, पहलवान पुत्र मल्थू यादव, धनीराम पुत्र जशरथ प्रजापति निवासी ग्राम रजपुरा, मुकेश पुत्र सुकानाथ निवासी ग्राम गरखुवां और मनोज पुत्र अच्छेलाल यादव निवासी ग्राम सूरजपुरारोड थाना बड़ामलहरा के विरुद्ध वन विभाग ने वर्ष 2007 में चीतल के शिकार के मामले में वन अधिनियम की धारा 2(16 एबी), 9, 39, 50, 51, 52 के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। उनसे चीतल का शव भी बरामद किया गया था। यह मामला वर्ष 2018 से न्यायालय में विचाराधीन था, जिसकी अंतिम सुनवाई में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बड़ामलहरा अभिषेक दीक्षित के न्यायालय ने गवाहों और साक्ष्यों के अनुसार चारों आरोपियों को वन्य जीव मादा चीतल का शिकार करने का दोषी पाया।

3 नगर पालिका, 15 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के नहीं सही इंतजाम

आग में खाक हो रही खुशियां, बुझाने के लिए केवल 17

संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में आग लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। आग लगने से खाक होने वाली खुशियों से प्रशासन न कोई सबक ले रहा, न आग बुझाने के लिए जरुरी संसाधनों को बढ़ाने के बारे में कोई ठोस पहल हो रही है। जिले की 3 नगर पालिका, 13 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के लिए केवल 17 फायर ब्रिगेड चालू हैं। ऐसे में आग ओर काबू पाने का काम भगवान भरोसे चल रहा है।

वैसे तो आग लगने की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं, मगर हर साल गर्मियों में ये घटनाएं बडी तेजी से बढ जाती हैं। स्पार्किंग, नरवाई जलाने सहित कई अन्य कारणों से रिहायशी इलाकों और बाजारों में जरा सी चिंगारी विकराल आगजनी की वजह बन जाती है। आग में खाक होने वाली लोगों की खुशियों को बचाने के लिए स्थानीय निकायों ने फायर सेफ्टी सिस्टम को प्राथमिकता नहीं दी है। जिले में मौजूद फायर बिग्रेड सुविधा पर नजर डालें, तो पूरे जिले की 3 नगर पालिका, 13 नगर परिषद और 1187 गांवों में आग बुझाने के लिए 20 फायर बिग्रेड हैं, इनमें से 3 खराब पड़ी हैं। केवल 17 फायर ब्रिगेड चालू हालत में हैं, उनमें से भी अधिकांश पुराने मॉडल की हैं।

जबकि वर्तमान में जिले की कुल आबादी और भौगोलिक विस्तार के हिसाब से 45 फायर ब्रिगेड की जरुरत है। छतरपुर शहर की आबादी डेढ़ लाख से अधिक होने के बावजूद यहां केवल 3 फायर बिग्रेड हैं। जबकि नौगांव, खजुराहो और राजनगर में दो-दो फायर ब्रिगेड हैं, मगर सभी जगह एक-एक वाहन खराब ही बना रहता है। इनके अलावा जिले के बाकी नगरीय निकायों में केवल एक-एक ही फायर बिग्रेड है। इससे जाहिर है कि जिले में फायर सेफ्टी की वर्तमान स्थिति चिंताजनक ही नहीं, बल्कि खतरे की घंटी भी है।

आग बुझाने की ट्रेनिंग, न उपकरण मिले

जिले में मौजूद अधिकांश फायर बिग्रेड पर प्रशिक्षित कर्मियों की कमी है। अधिकांश फायर ब्रिगेड वाहनों का संचालन नगरीय निकायों के सफाई कर्मचारियों के भरोसे है। इन कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की तकनीकी ट्रेनिंग नहीं मिली है। आग बुझाने के दौरान उनके पास सुरक्षा उपकरण तक नहीं होते हैं, न रणनीतिक दिशानिर्देश। ऐसे में आगजनी की बड़ी घटनाओं पर समय रहते काबू पाना नामुमकिन हो जाता है। कई बार तो ये भी देखने में आता है कि आगजनी के वक्त फायर बिग्रेड मौके पर देर से पहुचती है, या फिर दूरी और खराब स्थिति के कारण असहाय साबित होती हैं। यदि फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच भी जाएं तो अकसर या तो पंप चालू नहीं होता है या फिर पाइप ही फटा निकलने से वे आग बुझाने में नाकाम हो जाती हैं।

एडवाइजरी कमेटी के प्रावधान नाकाफी

नेशनल फायर एडवाइजरी कमेटी के मुताबिक, हर 50 हजार की आबादी पर एक फायर बिग्रेड वाहन होना जरूरी है। 22 से 23 लाख की आबादी वाले छतरपुर जिले में इस लिहाज से कम से कम 45 फायर बिग्रेड होनी चाहिए। जबकि वर्तमान में सिर्फ 17 चालू हैं, यानी कुल जरुरत का केवल एक तिहाई। ऐसे में जरुरी है कि शासन और स्थानीय निकाय मिलकर संसाधनों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में सुधार लाएं। जिससे हर बार गर्मी के मौसम तेजी से होने वाले अग्निकांडों को रोका जा सके। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया तो यह लापरवाही किसी बड़े नुकसान की वजह बन सकती है।

इनका कहना है

जिले के नगरीय निकायों में अग्निकांड से निपटने के लिए वाटर टैंकर सहित फायर ब्रिगेड जैसे संसाधन उपलब्ध हैं। फायर ब्रिगेड को खरीदने के लिए नगरीय निकाय स्वतंत्र हैं, आवश्यकता पड़ने पर परिषद की बैठक के बाद प्रस्ताव बनाकर फायर बिग्रेड वाहन की खरीद कर सकते हैं।

साजिदा कुरैशी
परियोजना अधिकारी, डूडा

सार समाचार

सोलंदी बलाई समाज युवा संगठन के अध्यक्ष बने

आष्टा, देशबन्धु। अखिल भारतीय बलाई समाज आष्टा, जावर युवा संगठन का चुनाव समाज के वरिष्ठ जन द्वारा निर्विरोध चुने गये। जिसमें मुकेश मालवीय को युवा संगठन का अध्यक्ष एवं जितेन्द्र सोलंकी को कार्यक्रम चलसमारोह का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय, बापू लाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, बलदेवसिंह मालवीय देवकरण सिंह पूर्व सरपंच, जगदीश चौहान, बाबूलाल मालवीय पूर्व पार्षद, कृपाल सिंह मालीखेड़ी का संरक्षण रहा। गजराज सिंह सोलंकी रामचरण दवरिया, बंशीलाल बाम्बे, मनोहर सिंह, पूर्व सरपंच अंबाराम, रूप सिंह गोरिया, ज्ञान सिंह चौहान, रवि मालवीय, ईसरतलाल, बलदेव सिंह मालवीय, कमल सिंह, राहुल परमल, लाड सिंह सोलंकी, नारायण सिंह, मुकेश सोलंकी, पप्पू मलेशिया, राजाराम शेट्टी, जीवन सिंह, एवं समाज के सभी वरिष्ठ जनो में अपनी अपनी सहमति जताई।

सड़क पर गड्ढों से वाहन चालक परेशान

रोजाना डेढ़ हजार से ज्यादा वाहन गुजरते हैं

भेरूंदा, देशबन्धु। नगर के मुख्य मार्ग से इंदौर जाने वाले रास्ते पर स्थित मंडी नहर चौराहे की बदहाल सड़क इन दिनों आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। चौराहे पर लंबे समय से बड़ा गड्ढा बना हुआ हैं, जिनके कारण रोजाना हजारों राहगीरों और वाहन चालकों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 1500 छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जबकि यह रास्ता सीधे हाईवे से जुड़ा होने के कारण कुल संख्या इससे कहीं अधिक हो जाती है।

मंडी नहर चौराहा क्षेत्र का यह मार्ग नगर को हरदा, खातेगांव, नेमावर, खंडवा,इंदौर से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग इसी रास्ते से आते-जाते हैं, लेकिन सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों ने चलना दुश्वार कर दिया है। खासकर शाम ढलते ही स्थिति कम रोशनी के कारण दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों में गिरकर घायल हो जाते हैं।

दुकानदारों और रहवासियों के अनुसार रेत से भरे डंपर, हाइवा और ट्रालियां भी इसी मार्ग से आवा-जाही करती हैं। इनके आवागमन से सड़क की हालत और बिगड़ती जा रही है। ओवरलोड वाहन गड्ढों को और चौड़ा कर देते हैं, जिससे छोटे वाहनों के लिए रास्ता और अधिक खतरनाक बन जाता है।

कई बार ट्रालियों से गिरने वाली रेत भी सड़क पर फैल जाती है, जिससे फिसलन की स्थिति बनती है। नगरवासियों का आरोप है कि इस समस्या की जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। राहगीरों का कहना है कि सड़क की मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है, जिससे कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। चौराहे की यह बदहाली न केवल यातायात को प्रभावित कर रही है, बल्कि क्षेत्र की छवि पर भी नकारात्मक असर डाल रही है।

राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत का काम नहीं किया गया तो कोई बड़ी दुर्घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मंडी नहर चौराहे की सड़क का स्थायी समाधान किया जाए और गड्ढों को सुधारने ठोस कार्य योजना बनाई जाए तथा भारी वाहनों की आवाजाही पर भी नियमन किया जाए।

विधायक उमाकांत शर्मा ने जताई नाराजगी

वन परिक्षेत्र अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराया

सिरोंज, देशबन्धु। वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण और वन विभाग के नर्सरीयों की बदहाली को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में पूरे विधानसभा क्षेत्र में अतिक्रमण को संरक्षण दिए जाने की शिकायतें आई हैं, लेकिन विभाग कार्रवाई करने के बजाय मंदिरों पर कार्रवाई की तैयारी में दिखाई दे रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विधायक ने अपने जारी बयान में कहा कि उन्हें क्षेत्र में वन भूमि के क्रय-विक्रय और अतिक्रमण से संबंधित सभी जानकारियां मिल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि धार्मिक स्थलों पर किसी प्रकार की कार्रवाई की जाती है, तो वह इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। विधायक ने मंदिरों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आस्थाओं के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उनके बयान के बाद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।मामले को लेकर वन विभाग के अधिकारी रेंजर बृज मीना ने बताया कि संक्रांति मेले के दौरान सड़क किनारे स्थित वन भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत मिली थी। संबंधित भूमि के पास साहू समाज द्वारा मंदिर निर्माण का कार्य चल रहा है और रास्ते को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। अधिकारी के अनुसार, पक्षों में सहमति नहीं बनने पर विभाग ने भूमि पर फेंसिंग कर दी है और स्पष्ट किया है कि वन भूमि पर नया निर्माण बिना अनुमति के नहीं किया जाएगा।वन विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि किसी भी पुराने मंदिर को तोड़ा नहीं जाएगा तथा यदि मामला सार्वजनिक हित से जुड़ा है तो बैठकर समाधान निकाला जा सकता है। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि नियमों के तहत अनुमति मिलने पर ही आगे की कार्रवाई होगी और आवश्यकता पड़ने पर तीसरा समाधान भी तलाशा जा सकता है।

फिलहाल, क्षेत्र में अतिक्रमण और धार्मिक स्थलों को लेकर खींचतान जारी है। जनप्रतिनिधियों और वन विभाग के बयानों के बाद यह मुद्दा स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

व्यापार समझौते के विरोध में कांग्रेस ने किया पुतला दहन

सिरोंज, देशबन्धु। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में शनिवार को सिरोंज शहर एवं आसपास की पंचायतों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों द्वारा जोरदार पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी आवाज बुलंद की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिरोंज के अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि प्रस्तावित ट्रेड डील देश के किसानों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उद्योगों के हितों के खिलाफ है। उनका आरोप है कि इस समझौते से विदेशी कंपनियों को लाभ मिलेगा, जबकि आम जनता और किसानों की आजीविका पर संकट गहरा सकता है। उन्होंने कहा कि बिना व्यापक चर्चा एवं सहमति के इस प्रकार के समझौते थोपना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष असगर खान ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापारिक डील का सीधा प्रभाव भारतीय किसानों पर पड़ेगा। उनके अनुसार यदि अमेरिका से कृषि उत्पादक वस्तुएं जैसे अनाज एवं दुग्ध उत्पाद भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में आएंगे तो स्थानीय किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। उन्होंने इस डील को किसानों की कमर तोड़ने वाला कदम बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश तथा जिला संगठन प्रभारी प्रभु सिंह ठाकुर एवं जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर द्वारा भी केंद्रीय कृषि मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर के अध्यक्ष अर्जुन राजपूत ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और सरकार को इस डील को वापस लेना चाहिए।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण कहा-

किसी भी बंदी के साथ न हो जाति आधारित भेदभाव : न्यायाधीश

सीहोर, देशबन्धु। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने सीहोर जिला जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया तथा जेल में बंदियों से जाति आधारित भेदभाव या इस प्रकार की भेदभावपूर्ण प्रथाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए कि जेल में किसी भी बंदी के साथ जाति आधारित भेदभाव न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

इसके साथ ही विधिक सहायता से अधिवक्ता नियुक्ति, अपील प्रस्तुति, जमानत आवेदन प्रस्तुति, जमानत के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों, सजा पूरी होने के बाद भी जेल में निरुद्ध बंदियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने बंदियों की समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बंदियो को उनके अधिकारों और विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री शरद जोशी, श्री राजेन्द्र कुमार कुशवाह, श्री आसिफ खान, कु. एकता सेन एवं जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल एवं बंदी गण उपस्थित थे।

त्यौहारों को दृष्टिगत फ्लैग मार्च निकाला गया

सिरोंज, देशबन्धु। आगामी शिवरात्रि एवं अन्य त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से सिरोंज पुलिस द्वारा शनिवार शाम फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में एसडीओपी सिरोंज एवं थाना प्रभारी सिरोंज के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

फ्लैग मार्च शाम 6:00 बजे सिरोंज शहर के मुख्य बाजार से प्रारंभ होकर छतरी नाका, बासौदा नाका एवं हाजीपुर होते हुए पुलिस थाना सिरोंज तक निकाला गया। मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की तथा त्योहारों के दौरान सतर्क रहने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित थाना सिरोंज का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। पुलिस प्रशासन ने बताया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए निरंतर पेट्रोलिंग एवं निगरानी की जाएगी, ताकि नागरिक सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मना सकें।

पंचकोशी यात्रा का आगमन, श्रद्धालुओं के लिए की व्यापक व्यवस्थाएं

भेरूंदा, देशबन्धु। धार्मिक आस्था की प्रतीक पंचकोशी पदयात्रा का आज भव्य आगमन छिपानेर में हुआ। नेमावर स्थित पावन मां नर्मदा तट से प्रारंभ हुई यह यात्रा हजारों श्रद्धालुओं के साथ सीहोर जिले के दादाजी धाम छिपानेर पहुंची। यह पदयात्रा वर्ष 1987 से निरंतर आयोजित की जा रही है। शुरुआत में कुछ श्रद्धालुओं के साथ शुरू हुई यह परिक्रमा आज नर्मदा भक्तों की विशाल आस्था यात्रा का रूप ले चुकी है। लगभग 80 किलोमीटर की यह पंचकोशी परिक्रमा विभिन्न गावों से होकर गुजरती है और श्रद्धालुओं को मां नर्मदा के प्रमुख घाटों एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन कराती है। यात्रा के छिपानेर आगमन को लेकर प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।

यहां 70 से अधिक पुलिस जवान व्यवस्था संभालने के लिए तैनात हैं। थाना भैरुंदा और गोपालपुर से 15 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, वहीं पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल भी बुलाया गया है। घाट क्षेत्र, मुख्य मार्गों, पार्किंग स्थलों और भीड़ संभावित स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्राम सरपंच और सचिव ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता एवं भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। यात्रा के एक दिन पूर्व भैरुंदा एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने छिपानेर पहुंचकर संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस बल एवं संबंधित अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा इंतजाम, यातायात व्यवस्था और घाट क्षेत्रों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूर्व में ही पूर्ण कर ली गई थीं। अतिरिक्त पुलिस बल, गौताखोर और होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है।

वार्ड क्रमांक 7 के क्षेत्रवासियों ने किया स्वागत

गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी : नपाध्यक्ष

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने दी 19 लाख की सौगात

सीहोर, देशबन्धु। शहर में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है। वहीं शहर को सुंदर और स्वच्छ रखने के लिए भी नगर पालिका का अमला सतर्क है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शनिवार को शहर के वार्ड क्रमांक सात में सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहाकि सड़क का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ समयसीमा पर किया जाए। इस मौके पर उन्होंने 19 लाख से सीसी रोड के कार्य का यहां पर मौजूद क्षेत्रवासियों से भूमि पूजन कार्य का शुभारंभ कराया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहाकि गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना और कड़ी निगरानी जरूरी, इसके लिए शहर में स्वच्छता मित्रों के अलावा कचरा गाड़ी आदि लगाई गई है। वहीं नगर में लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध हो इसके लिए भी नगर पालिका जल प्रभारी से चर्चा की। वार्ड क्रमांक सात के पार्षद विजेन्द्र परमार ने बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर के द्वारा क्षेत्र अंतर्गत शिवाजी कालोनी, जितेन्द्र कुशवाह से मालवीय के घर तक शिव मंदिर से गोविन्द गीते तक एवं गोपाल कुशवाह से राम सिंह के तक सीसी रोड का निर्माण कार्य का भूमि पूजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद राजेश मांझी, नरेन्द्र राजपूत, अजय पाल सिंह राजपूत आदि शामिल थे।

दिव्यांग सहायक वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

गंजबसोदा, देशबन्धु। माध्यमिक शाला हाजीपुर के परिसर दिव्यांग विद्यार्थियों का विकासखंड स्तरीय सहायक उपकरण वितरण एवं नगरपालिका के द्वारा कराये जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ जिसमें 70 दिव्यांगों विद्यार्थियों को 3 लाख 60 हजार की लागत से विभिन्न सहायक उपकरण प्रदाय किए गए। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं कन्या पूजन से किया गया तथा विधायक जी के द्वारा उपस्थित सभी दिव्यांगो विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर एवं पटका पहना कर उनका सम्मान किया गया। जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि दिव्यांग कोई भी हो सकता है जन्म से भी हो सकता है और जन्म के बाद भी हो सकता है सरकार सदैव दिव्यांगो के हित के लिये अनेक प्रयासो एवं अनेक योजनाओ का संचालन कर रही है पूर्व में भी शासन एवं समाज के सहयोग से हमने पोलियो जैसी बीमारियो को हराया है हम सबको भी मिलकर इनके सहयोग करने की आवश्यकता है वही विधायक जी के द्वारा उपस्थित अधिकारियो से बात करते हुए पूछा कि इन दिव्यांगो विद्यार्थियों की आप परीक्षा कैसे कराते है।

दिव्यांग विद्यार्थियों को मिली सहायक सामग्री, 70 बच्चों को योजनाओं का लाभ

सिरोंज, देशबन्धु। दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सिरोंज विकासखंड में लगातार दिया जा रहा है। कक्षा 1 से 12 तक के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आर्थिक सहायता, भत्ते एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी शिक्षा और दैनिक जीवन सुगम हो सके।

जानकारी के अनुसार योजनाओं के अंतर्गत परिवहन भत्ता के रूप में 300 रुपये प्रतिमाह, रखरखाव भत्ता 300 रुपये प्रतिमाह, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए वाचक भत्ता 250 रुपये प्रतिमाह तथा बालिकाओं को विशेष प्रोत्साहन स्वरूप 200 रुपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जा रही है। बहुविकलांगता की स्थिति में बच्चों को एक साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाता है। विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार 1200 रुपये प्रतिमाह तक अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

सितंबर माह में आयोजित विशेष शिविर में सिरोंज विकासखंड स्तर पर दिव्यांग विद्यार्थियों का चिन्हांकन किया गया था, जिसमें करीब 70 बच्चों की पहचान की गई। इसके बाद भारत सरकार की एलिमको (ख़ुरुह) टीम द्वारा ट्रायसाइकिल, व्हीलचेयर और हियरिंग मशीन सहित लगभग 5 लाख रुपये लागत की सहायक सामग्री वितरित की गई।

माध्यमिक शाला हाजीपुर परिसर में आयोजित विकासखंड स्तरीय सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और कन्या पूजन से किया गया। इस अवसर पर विधायक द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान किया गया तथा पटका पहनाकर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि दिव्यांगता जन्म से भी हो सकती है और जीवन में बाद में भी आ सकती है, इसलिए समाज और शासन को मिलकर दिव्यांगजनों के सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से परीक्षा प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली, जिस पर बताया गया कि विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए सहपाठी लेखक सहायता करते हैं तथा ब्रेल लिपि के माध्यम से भी पढ़ाई कराई जा रही है।

इस अवसर पर विधायक द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए 5 लाख रुपये की लागत से दिव्यांग शिक्षण कक्ष निर्माण की घोषणा भी की गई। जिला सहायक परियोजना समन्वयक ज्योति केदारे ने जानकारी दी कि विकासखंड में ब्रेल लिपि शिक्षण के लिए छह शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम में ब्रेल लिपि में प्रशिक्षित शिक्षिका फरहत उजैसा सहित अन्य शिक्षकों का सम्मान भी किया गया।

बीआरसी जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ विद्यार्थियों को परिवहन, वाचक भत्ता एवं स्टाइपेंड जैसी योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, जनपद प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अभिभावक तथा दिव्यांगजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा नगरपालिका क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये लागत के विभिन्न सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया गया।

यह पहल दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मंदिर जाएं तो स्व-कल्याण का भाव रखें : मुनिश्री

आष्टा, देशबन्धु। चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर अरिहंतपुरम में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने कहा कि गुरुओं का समागम प्रतिदिन नहीं होता, यह पुण्य के उदय से ही प्राप्त होता है। जब सानिध्य मिले तो उसका पूरा लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती छ: खंड का स्वामी होता है, अपार वैभव का अधिकारी होता है, आज लोग थोड़े लालच में भगवान के दर्शन करने जाना छोड़ देते हैं, पहली प्राथमिकता उनकी धन होती है। किंतु सम्यकदृष्टि जीव अपने कर्तव्य से विमुख नहीं होता। वह सर्वप्रथम देव, शास्त्र और गुरु की आराधना करता है। मुनिश्री ने कहा कि जिस कार्य में व्यक्ति की श्रद्धा और रुचि होती है, वह उसे पूर्ण भक्ति भाव से करता है। सम्यकदृष्टि जीव यदि अपने नित्य धर्मकार्य नहीं कर पाता तो उसके मन में कमी का भाव आता है कि आज मेरा आवश्यक कार्य रह गया। जैन दर्शन भावप्रधान है। भाव पूर्वक, श्रद्धा और रुचि के साथ भगवान की पूजा करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रेन पकड़ने के लिए व्यक्ति समय से पहले रेलवे स्टेशन पहुंच जाता है, लेकिन मंदिर और धर्मसभा के प्रति वैसी तत्परता नहीं दिखाता। जिनेन्द्र भगवान के दर्शन से अनंत पापों का क्षय होता है। जैसे कालिया नाग के समान कर्म शिथिल हो जाते हैं, वैसे ही भगवान के सच्चे दर्शन से अंत:करण निर्मल होता है। देव,शास्त्र और गुरु के दर्शन करते समय औपचारिकता नहीं, अपितु एकाग्र भाव से प्रभु को निहारना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आज व्यक्ति दूसरों की चिंता में अधिक रहता है, स्वयं के कल्याण पर ध्यान नहीं देता। संतों का धर्मोपदेश भी अपने आत्मकल्याण के लिए होता है। मंदिर जाएं तो 'स्व' का प्रयोजन रखें, पर का नहीं। घर से निकलते समय ही भगवान के दर्शन, पूजा और अभिषेक का स्पष्ट भाव बना लें। मात्र मंदिर जाने का भाव बनाने से ही लाख गुना पुण्य का बंध होता है। मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने आगे कहा कि जैसे किसी अंधे और निर्धन व्यक्ति को नेत्र और निधि दोनों मिल जाएं तो उसकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहता, वैसे ही भगवान के दर्शन करते समय वही आंतरिक आनंद और कृतज्ञता का अनुभव होना चाहिए। ज्ञान ऐसा धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता,बल्कि जितना बांटेंगे उतना बढ़ेगा। आज व्यक्ति धन संचय में लगा है, पुण्य संचय में नहीं मुनिश्री ने प्रसंग सुनाते हुए कहा कि त्रियंच पर्याय में बैल के जीव ने भावपूर्वक जिनवाणी श्रवण किया तो अगले जन्म में सुग्रीव बना और श्रीराम का मित्र बना। मोबाइल जैसे साधन मनुष्य को असत्य बोलना अधिक सिखा रहे हैं, इसलिए मंदिर में निर्विकल्प भाव से जाएं।धनंजय सेठ के पुत्र का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि सर्पदंश के बाद भी सेठ ने भगवान की आराधना नहीं छोड़ी।

संकल्प अडिग रखा। उनकी पत्नी बालक को लेकर मंदिर पहुंची और प्रभु चरणों में समर्पित किया। सेठ के पुण्य उदय से बालक की रक्षा हुई। उन्होंने कहा कि सारा खेल पुण्य और पाप का है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	2.43 प्रतिशत
आयसर मोटर	1.54 प्रतिशत
एसबीआई	0.53 प्रतिशत
सिपला	0.11 प्रतिशत
अपोलो हॉस्पिटल	0.05 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंदुस्तान यूनीलिवर	4.35 प्रतिशत
इटरनल	4.26 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.35 प्रतिशत
टाइटन	2.23 प्रतिशत
टीसीएस	2.17 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,52,765
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,42,433
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	91.77	88.76
पौड स्टर्लिंग	125.53	121.13
यूरो	109.38	105.37
चीन युआन	14.07	12.25

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7783.83
मसूर काली	8123.17
उड़द दाल	10615.20
मूंग दाल	10130.22
अरहर दाल	11063.14

आईपीओ लाने की तैयारी कर रही स्काईवेज एयर सर्विसेज

नई दिल्ली। आईपीओ लाने की तैयारी कर रही दिल्ली की एयर फ्रेट और लॉजिस्टिक्स कंपनी स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड के खिलाफ यूके की कंपनी पीजी पेपर कंपनी लिमिटेड ने आर्थिक अपराध शाखा की दिल्ली ब्रांच में एफआईआर दर्ज करवाई है। यह एफआईआर 480 करोड़ रुपए के फ्रॉड को लेकर है, जिसमें स्काईवेज एयर सर्विसेज लिमिटेड सहित नौ कंपनियां शामिल हैं।

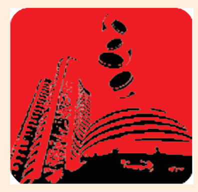

भारतीय रेलवे का नेटवर्क 389 किलोमीटर बढ़ेगा

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) की बैठक में 18,509 करोड़ रुपए (अनुमानित) लागत वाले तीन रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है।

सीसीईए की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स में कसारा - मनमाड (तीसरी और चौथी लाइन), दिल्ली - अंबाला (तीसरी और चौथी लाइन) और बल्लारी - होसपेटे (तीसरी और चौथी लाइन) शामिल हैं। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में मजबूत सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं।

सीसीईए ने आगे बताया कि यह तीन रेलवे प्रोजेक्ट्स दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों से होकर गुजरेंगे और इससे भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 389 किलोमीटर बढ़ेगा। इन प्रोजेक्ट्स से 3,902 गांव तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी और करीब 97 लाख लोगों को फायदा होगा।

यह प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

तीन प्रोजेक्ट्स

- कसारा - मनमाड (तीसरी और चौथी लाइन),
- दिल्ली - अंबाला (तीसरी और चौथी लाइन)
- बल्लारी- होसपेटे (तीसरी और चौथी लाइन)

सीसीईए के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट्स प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाए गए हैं, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से बहु-मार्गीय संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रोजेक्ट्स से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों, जिनमें भावली बांध,

- कैबिनेट ने तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी
- भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी

श्री घाटंदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री माता वैष्णो देवी कटरा/श्रीनगर और हम्पी (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), बल्लारी किला, दारोजी स्लॉथ बियर अभयारण्य, तुंगभद्रा बांध, केंचनागुड्डा और विजया विट्ठला मंदिर आदि प्रमुख आकर्षणों के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा।

सीसीईए ने कहा कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स कोयला, इस्पात, लौह अयस्क, सीमेंट, चूना पत्थर/बॉक्साइट, कंटेनर, खाद्यान्न, चीनी, उर्वरक, तेल आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों से प्रति वर्ष 96 मिलियन टन की अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता प्राप्त होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में सहायक होगा, साथ ही ये प्रोजेक्ट्स तेल आयात (22 करोड़ लीटर) को कम करेगा और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (111 करोड़ किलोग्राम) को घटाएगा, जो 4 करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

असम में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए दी रोड-कम-रेल टनल को मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) की बैठक में असम में इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) के तहत 18,662 करोड़ रुपए की कुल पूंजी लागत से एनएच-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक 715 खंड पर 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर की रोड-कम-रेल टनल भी शामिल है। वर्तमान में, एनएच-715 पर स्थित नुमालीगढ़ और एनएच-15 पर स्थित गोहपुर के बीच की दूरी एनएच-52 पर सिलघाट के पास स्थित कालियाभम्भोरा सड़क पुल से 240 किलोमीटर है, जिसमें नुमालीगढ़, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बिश्वनाथ कस्बे से होते हुए 6 घंटे का समय लगता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, एनएच-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे रोड-कम-रेल-टनल के साथ 4-लेन पहुंच-नियंत्रित हरित परिवहन परियोजना विकसित करने का प्रस्ताव है। यह भारत की पहली और विश्व की दूसरी अंडरवाटर रोड-कम-रेल-टनल होगी। सीसीईए ने कहा कि इस परियोजना से असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। इससे माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, रसद लागत कम होगी और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। यह परियोजना दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-15 और एनएच-715) और दो रेलवे लाइनों से जुड़ती है, जिनमें गोहपुर की ओर एनएफआर के रंगिया डिवीजन के अंतर्गत रंगिया-मुकोंगसेलेक रेलवे खंड और नुमालीगढ़ की ओर एनएफआर के तिनसुकिया डिवीजन के अंतर्गत फुरकटिंग-मारियानी लूप लाइन खंड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह परियोजना 11 आर्थिक केंद्रों, 3 सामाजिक केंद्रों, 2 पर्यटन केंद्रों और 8 लॉजिस्टिक्स केंद्रों से जुड़कर बहु-मोडल एकीकरण को बढ़ावा देगी, जिससे 4 प्रमुख रेलवे स्टेशनों, 2 हवाई अड्डों और 2 अंतर्देशीय जलमार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और इस क्षेत्र में माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी।

- 715 खंड पर 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण को मंजूरी दी गई

सोने-चांदी में इस हफ्ते मिलाजुला कारोबार, कीमतों में हुआ मामूली बदलाव

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में इस हफ्ते मिलाजुला कारोबार हुआ है। इस दौरान सोने का दाम करीब 700 रुपए बढ़ गया है, जबकि चांदी करीब 2,500 रुपए सस्ती हो गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत 687 रुपए बढ़कर 1,52,765 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते हफ्ते इसी दिन 1,52,078 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

समीक्षा अवधि के दौरान 22 कैरेट सोने का दाम 1,39,303 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,39,933 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,14,059 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,14,574 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। दूसरी तरफ चांदी की कीमत एक हफ्ते में 2,496 रुपए कम होकर 2,42,433 रुपए प्रति किलो हो गई है, जिसका दाम बीते हफ्ते इसी दिन 2,44,929 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते के दौरान सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

हाजिर बाजार में 24 कैरेट के सोने ने 11 फरवरी को 1,57,322 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम भाव छुआ। वहीं, न्यूनतम भाव 13 फरवरी को 1,52,751 रुपए प्रति 10 ग्राम का रहा। चांदी ने 11 फरवरी को 2,66,449 रुपए प्रति किलो का उच्चतम भाव छुआ।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील संतुलित, निर्यात केंद्रित वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा: पीयूष गोयल

- अमेरिका को दुग्ध, मुर्गी पालन, मांस, गेहूं, चावल, मक्का और सोयाबीन पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को विपक्ष के उन दावों को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता घरेलू हितों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता संप्रभुता को छेड़े बिना उपभोक्ता हितों और निर्यात-आधारित विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए तैयार किया गया है।

गोयल ने कहा कि 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने के चलते हमने इस समझौते में मजबूत स्थिति में डील की है और अपने देश के आत्मनिर्भर सेक्टर्स को सुरक्षित रखा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस आंतरिक समझौते को 'निष्पक्ष और संतुलित' बताते हुए कहा कि पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान (ऊर्जा, विमान, प्रौद्योगिकी) खरीदने का लक्ष्य केवल एक 'इरादा' है, बाध्यकारी दायित्व नहीं, और यह भारत की वास्तविक व्यावसायिक आवश्यकताओं से प्रेरित है। उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर रेसिप्रोकल टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत को चीन (35 प्रतिशत) और बांग्लादेश/वियतनाम (20 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धियों पर स्पष्ट लाभ प्राप्त होता है। कई प्रमुख भारतीय क्षेत्रों को अब शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा।' उन्होंने कहा कि चावल, गेहूं, मक्का, बाजरा और दुग्ध जैसे 'संवेदनशील' कृषि उत्पादों को इस समझौते से बाहर रखा गया है, ताकि इस ट्रेड डील का कोई नकारात्मक असर न हो।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'अमेरिका को दुग्ध, मुर्गी पालन, मांस, गेहूं, चावल, मक्का और सोयाबीन पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है।'

4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने के चलते हमने इस समझौते में मजबूत स्थिति में डील की है और अपने देश के आत्मनिर्भर सेक्टर्स को सुरक्षित रखा है: पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री

सार संक्षेप

एआरसी के बिना एयरबस उड़ाने पर डीजीसीए ने एयर इंडिया पर एक करोड़ का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने यह कार्रवाई इसलिए की क्योंकि एयर इंडिया ने एक एयरबस ए320 विमान को वैध उड़ान योग्यता प्रमाणपत्र (एयरवर्थिनेस परमिट) के बिना आठ बार उड़ाया। विमानन नियामक ने इस उल्लंघन को 'गंभीर' बताया और इस सुरक्षा चूक के लिए कंपनी के शीर्ष प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। डीजीसीए के जुर्माना आदेश में कहा गया है कि एयरबस ए320 विमान को पिछले साल 24 और 25 नवंबर के बीच नई दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद के बीच कई उड़ानों में बिना अनिवार्य एयरवर्थिनेस रिव्यू सर्टिफिकेट के उड़ाया गया। एआरसी एक महत्वपूर्ण वार्षिक प्रमाणपत्र होता है, जिसे विमानन नियामक तब जारी करता है जब विमान तय सुरक्षा और नियमों की जांच में सफल होता है। इसके बिना उड़ान भरना विमानन सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाता है। सूत्रों के अनुसार, डीजीसीए ने इस मामले को गंभीरता से लिया और एयरलाइन के 'लापरवाह रवैये' पर आपत्ति जताई।

फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स तैयार करना, एमएसएमई को बढ़ना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए होगा अहम

मुंबई। देश को विकसित भारत 2047 लक्ष्य पाने के लिए 10 प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसमें फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स तैयार करना, मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाना और एमएसएमई को मजबूत करना शामिल है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। केपीएमजी की रिपोर्ट में कहा गया कि फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स के निर्माण का पहला कदम शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार की निरंतरता को क्रियान्वित करना, शिक्षुता कार्यक्रमों का विस्तार करना और गहन तकनीकी क्षमता का निर्माण करना है जिससे टैलेंट मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और उभरती टेक्नोलॉजी में नौकरी के लिए तैयार हो सके।

रिपोर्ट में कंपोनेंट का स्थानीयकरण करके, इंडस्ट्री 4.0 को अपनाकर, फैक्ट्रियों की उत्पादकता बढ़ाकर और निर्यात और गुणवत्ता मानकों के साथ क्लस्टरर्स को निकटता से जोड़कर मैन्युफैक्चरिंग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के कदमों के बारे में बताया गया।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि लघु एवं मध्यम उद्यमों को नकदी प्रवाह आधारित क्रेडिट, समूह-आधारित उत्पादकता कार्यक्रमों, डिजिटलीकरण अपनाने और प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े संरचित निर्यात प्रोत्साहन के माध्यम से अस्तित्व बनाए रखने के बजाय विस्तार करने की ओर बढ़ना चाहिए। अन्य प्राथमिकताओं में एकीकृत इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्यात विविधीकरण के साथ व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार शामिल हैं।

जियो समेत 10 देशों की 15 दिग्गज टेक कंपनियों ने बनाया 'ट्रस्टेड टेक एलायंस'

म्यूनिख, 14 फरवरी (एजेंसियां)। रिलायंस जियो समेत अफ्रीका, एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की 15 अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने 'ट्रस्टेड टेक एलायंस' (टीटीए) के गठन की घोषणा की है।

जियो ने शनिवार को बताया कि यह गठबंधन संचार सुविधा, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और सत्यापित मानक विकसित करने के लिए साथ आये हैं। एलायंस में भारत की ओर से जियो प्लेटफॉर्म्स शामिल है। जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान इस एलायंस का ऐलान किया गया।

गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी जैसी कुल 15 कंपनियां शामिल हैं। भविष्य में और कंपनियों को इससे जोड़ा जायेगा तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संप्रभुता, प्रतिस्पर्धात्मकता और लचीले डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा।

लॉन्च के मौके पर जियो प्लेटफॉर्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) किरण थॉमस ने कहा, 'विश्व स्तर पर डिजिटल विकास को गति देने के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और पारदर्शी प्रौद्योगिकी जरूरी है। जियो प्लेटफॉर्म्स को टेक्नोलॉजी स्टैक में साझा मानक और सत्यापित किए जा सकने वाले तौर-तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए 'ट्रस्टेड टेक एलायंस' में शामिल होने पर गर्व है। इस पहल के जरिये हम वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की संचार सुविधा, क्लाउड और एआई प्रणालियों में दीर्घकालिक भरोसा कायम करना चाहते हैं।'

माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयर और प्रेसिडेंट ब्रैड स्मिथ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में समान सोच वाली कंपनियों का साथ आना जरूरी है, ताकि सीमाओं के पार तकनीक में भरोसा और उच्च मानक कायम रह सके।

- अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी जैसी कुल 15 कंपनियां शामिल

एरिक्सन के सीईओ बोर्ये एकहोम ने कहा कि कोई एक कंपनी या देश अकेले सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल ढांचा नहीं बना सकता, इसके लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। एलायंस के तहत सदस्य कंपनियों ने पांच प्रमुख सिद्धांतों पर सहमति जताई है। इनमें पारदर्शी कॉरपोरेट प्रशासन और नैतिक आचरण, सुरक्षित विकास प्रक्रिया और स्वतंत्र मूल्यांकन, मजबूत सप्लाई चेन व सुरक्षा निगरानी, खुला और सहयोगात्मक तथा लचीले डिजिटल पारितंत्र को बढ़ावा देना और कानून के अनुरूप डेटा सुरक्षा का सम्मान शामिल है।

स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0 के लिए कैबिनेट से 10,000 करोड़ के फंड को मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम को एक बड़ा प्रोत्साहन देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 (स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इसके लिए कुल 10,000 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है, जिसका मकसद देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए वेंचर कैपिटल जुटाना है।

इस योजना को बनाने का मकसद दीर्घकालिक घरेलू पूंजी जुटाकर, वेंचर कैपिटल इकोसिस्टम को मजबूत करके और देश भर में नवाचार-आधारित उद्यमिता को समर्थन देकर भारत के स्टार्टअप सफर के अगले चरण को रफ्तार देना है।

स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0, भारत को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप देशों में से एक बनाने के लिए करीब एक दशक से किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत के बाद से, भारत की स्टार्टअप व्यवस्था में एक असाधारण बदलाव देखा गया है, जो 500 से भी कम स्टार्टअप से बढ़कर आज उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप तक पहुंच गया है और जिसमें 2025 में स्टार्टअप पंजीकरण की वार्षिक संख्या अब तक की सबसे अधिक है।

कैबिनेट ने अपने बयान में कहा कि स्टार्टअप इंडिया एफओएफ 2.0, स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस 1.0) के सफल प्रदर्शन को आगे बढ़ा रहा है। एफएफएस 1.0 को 2016 में स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग की कमी को दूर करने और घरेलू वेंचर कैपिटल बाजार को गति देने के लिए शुरू किया गया था।

- मकसद देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए वेंचर कैपिटल जुटाना
- भारत के स्टार्टअप सफर के अगले चरण को मिलेगी रफ्तार

चावल सस्ता, चीनी महंगी, दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव घट गये। गेहूं में टिकाव रहा जबकि चीनी की कीमत बढ़ गई। दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 106 रुपए घटकर 3,753 रुपए प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 2,856 रुपए प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा 23 रुपए महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। मसूर दाल औसतन 83 रुपए सस्ती हुई। चना दाल 68 रुपए और तुअर दाल 29 रुपए प्रति क्विंटल टूट गई। वहीं, उड़द दाल 20 रुपए और मूंग दाल चार रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई।

स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल औसतन 186 रुपए और पाम ऑयल 173 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल 78 रुपए और सरसों तेल 55 रुपए मजबूत हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 38 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ी। वनस्पति 32 रुपए सस्ता हुआ।

मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव चार रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी 22 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई।

एआई आईटी सर्विसेज को समाप्त नहीं करेगा, बल्कि काम के नए अवसर पैदा करेगा : जेपी मॉर्गन

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जेपी मॉर्गन की एशिया पैसिफिक इक्विटी रिसर्च टीम की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा आईटी सेवा कंपनियों को जल्द ही प्रतिस्थापित करने की संभावना नहीं है। आईटी इंडस्ट्री को छोटा करने के बजाय, एआई से कंपनियों को समान बजट में अधिक काम करने में मदद मिलेगी। अपनी रिपोर्ट में जेपी मॉर्गन ने कहा कि एआई आईटी कंपनियों को समाप्त कर सकता है। इस डर को काफी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि एआई आईटी कंपनियों के लिए अवसर घटाएगा नहीं, बल्कि नए क्षेत्रों में अवसर पैदा करेगा। ब्रोकरेज फर्म ने एआई की तुलना पहले के तकनीकी बदलावों जैसे कि ऑफशोर लेबर, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग से की। इन सभी चक्रों में, नई तकनीक ने आईटी सेवाओं को खत्म नहीं किया, बल्कि कंपनियों के काम करने के तरीके को बदल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, एआई भी इसी तरह की भूमिका निभाएगा, जिससे कंपनियों को बजट बढ़ाए बिना अधिक परियोजनाओं को संभालने में मदद मिलेगी।

जेपी मॉर्गन ने कहा कि पुराने पारंपरिक सिस्टमों को आधुनिक बनाने, आवश्यकतानुसार अनुकूलित एसएएएस एप्लिकेशन को फिर से लिखने, संचालन के लिए एआई एजेंट बनाने, एआई सिस्टमों में विश्वास और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और भौतिक एआई समाधानों को एकीकृत करने जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ रही है।

एआई आईटी कंपनियों को समाप्त कर सकता है। इस डर को काफी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है। एआई आईटी कंपनियों के लिए अवसर घटाएगा नहीं, बल्कि नए क्षेत्रों में अवसर पैदा करेगा: जेपी मॉर्गन, इक्विटी रिसर्च टीम, एशिया पैसिफिक

2026 एआई का वर्ष रहेगा, भारत को डेटा को 'नेक्स्ट ऑयल' की तरह देखना होगा : एएमडी एग्जीक्यूटिव

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजर रहा है, ऐसे में भारत को अगर अगली औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करना है, तो उसे डेटा को 'नेक्स्ट ऑयल' की तरह देखना होगा। यह बयान एएमडी के एआई जीपीयू एलोकेशन हेड सुनिल पाल ने नई दिल्ली में होने वाली इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से पहले दिया। पाल ने कहा, '2026 एआई का वर्ष रहने वाला है।' साथ ही कहा कि चैटजीपीटी के साथ शुरू हुई टेक्नोलॉजी वेब चौथी औद्योगिक क्रांति की तरह है। उन्होंने कहा कि देश एक ऐसे बाजार में हिस्सेदारी हासिल करने की होड़ में लगे हैं, जिसके बारे में उन्होंने अनुमान लगाया है कि 2031 तक यह 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

राज्यपाल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने शनिवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल का प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने डॉ. मिश्रा को अंग वस्त्रम् और साँची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने की मुलाकात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने शनिवार देर शाम समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. मिश्रा ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी डॉ. मिश्रा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं बाबा महाकाल की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर जिले को दी 80 विकास कार्यों की सौगातें, कई घोषणाएं की

बुरहानपुर में बनेगा मिनी एयरपोर्ट, शाहपुर को बनाएंगे नगर पालिका

- सहकारी सूत मिल श्रमिकों को होगा बकाया राशि का भुगतान
- केला उत्पादकों के लिए स्थापित होगी वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण इकाई

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास ही सरकार का एकमात्र लक्ष्य है। आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में हर नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबको साथ और विश्वास में लेकर हम ऐसे नये मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे, जहां विकास केवल अवसर नहीं, यहां के हरेक नागरिक का अधिकार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बुरहानपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 696 करोड़ 37 लाख रुपये लागत के 80 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कर बुरहानपुर जिले के समग्र विकास को नई गति दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बुरहानपुर का विकास हमारी प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की। उन्होंने बुरहानपुर में केला उत्पादक किसानों के हित में वैल्यू एडिशन, भण्डारण एवं प्रसंस्करण के लिए इकाई स्थापित करने, बुरहानपुर में कृषि आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में नगर परिषद शाहपुर को परीक्षण उपरांत नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। बुरहानपुर में वारकरी समुदाय का कीर्तन केंद्र बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हॉर्टीकल्चर सब्जेक्ट अब प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने खामनी से दही हांडी तक खामनी से रायगांव एवं शाहपुर से सुखपुरी तक सड़क बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर में युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रारंभ किए जाएंगे। राज्य सरकार बुरहानपुर सहकारी सूत मिल श्रमिकों के बकाया भुगतान कराएगी और यहां नए उद्योग-धंधे भी स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों की 2 वर्ष की उपलब्धियों और भावी विकास योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

बुनकरों का शहर है बुरहानपुर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि से लेकर कपड़ा निर्माण तक, दवा से लेकर फर्नीचर उद्योग तक, पाइप निर्माण से लेकर कृषि उपकरण निर्माण तक बुरहानपुर का जवाब नहीं। यह जिला पावरलूम उद्योग का प्रमुख केन्द्र है और कपड़ा उत्पादन के कारण बुनकरों के शहर के रूप में बुरहानपुर के नाम से विख्यात है। यहां का केला उत्पादन, फसल विविधता और परिश्रमी किसान, यही हमारे कृषक कल्याण वर्ष की असली ताकत हैं। कार्यक्रम को जल संसाधन एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट,खण्डवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक बुरहानपुर एवं पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शनिवार को नवपदस्थ आयुक्त जनसम्पर्क एवं प्रबंध संचालक मप्र माध्यम मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

मनीष सिंह ने जनसंपर्क आयुक्त का कार्यभार संभाला

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मनीष सिंह ने शनिवार को आयुक्त जनसंपर्क एवं प्रबंध संचालक, म.प्र. माध्यम के पद पर कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

कार्यभार संभालने के बाद मनीष सिंह ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

इस दिशा में समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। आयुक्त जनसंपर्क और प्रबंध संचालक माध्यम श्री सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जनहित के कार्यक्रमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार और समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया।

एसआईआर : दावे आपत्ति की सुनवाई पूरी, 21 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत प्रारुप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति पर सुनवाई पूरी हो गई है। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में विभिन्न श्रेणियां में एक करोड़ से अधिक नोटिस जारी किए गए थे ।संयुक्त मुख्य निर्वाचन रामप्रताप सिंह जादौन के मुताबिक, एसआईआर के तहत चल रहे दावे आपत्तियों और जारी नोटिसों की सुनवाई का काम तय समय में पूरा कर लिया गया है। चुनाव आयोग के तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, सुनवाई का काम 14 फरवरी तक पूरा कर लिया जाना था। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत सुनवाई पूरी कर ली गई है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तय कार्यक्रम के मुताबिक 21 फरवरी को कर दिया जाएगा। वैसे पूरे प्रदेश में 22 जनवरी तक 15 लाख से अधिक लोगों ने दावे आपत्तियां आई थीं।

प्रदेश भर में फॉर्म-6 करीब नौ लाख प्राप्त हुए थे। वहीं, फॉर्म -7 करीब डेढ़ लाख प्राप्त हुए थे। जबकि फॉर्म-8 सवा पांच लाख से अधिक प्राप्त हुए थे। ग़ौरतलब है कि प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद प्रदेश में 5 करोड़ 31 लाख 31हजार 983 मतदाता रह गए हैं। एसआईआर शुरू होने के पहले प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख छह हजार 143 मतदाता थे।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारी इधर से उधर

भोपाल, देशबन्धु। सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के मुताबिक, शुजालपुर जिले के अपर कलेक्टर भुरला सिंह सोलंकी को स्थानांतरित करते हुए आगर मालवा जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह छतरपुर जिले में पदस्थ अपर कलेक्टर मिलिंद कुमार नामदेव को खरगोन जिला पंचायत का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। बुरहानपुर जिले के अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान को स्थानांतरित करते हुए उन्हें जिला पंचायत भिंड का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। उधर, अब तक इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के उप महाप्रबंधक रहे राकेश शर्मा को स्थानांतरित करते हुए मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल का मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया है।

भाई की लाईसेंसी बंदूक से की खुदकुशी

पूर्व विधायक के भांजे ने खुद को मारी गोली

अशोकनगर, देशबन्धु। भाजपा के पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी के के भांजे 26 वर्षीय गुरतेज संधू ने खुद को गोलीमार खुदकुशी कर ली। उन्होंने इंगलखेड़ा ग्राम स्थित अपने आवास पर बड़े भाई की लाईसेंसी बंदूक से खुद पर गोली चलाई। घटना उस वक्त हुई जब परिवार के सभी सदस्य एक सगाई समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे।

बताया गया कि शुक्रवार को घटना के वक्त देहात थाना क्षेत्र स्थित इंगलखेड़ी गांव में गुरतेज घर पर अकेला था। बताया जा रहा है कि उसने अपने बड़े भाई की 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक की नाल

अपने माथे पर रखी और गोली चला दी। धमाके की आवाज सुनकर घर में काम कर रहा नौकर घबरा गया। वह दौड़कर कमरे में पहुंचा, तो उसने देखा कि गुरतेज खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था।

गुरतेज की हालत देखकर घबराया कर्मचारी बदहवास हालत में वहां से बाहर आया और वह ट्रैक्टर स्टार्ट किया और सीधे उस होटल पहुंचा, जहां सगाई कार्यक्रम चल रहा था। होटल पहुंचकर जब उसने यह सूचना दो, तो खुशियों का माहौल चीख पुकार में बदल गया और परिजन तत्काल घर पहुंचे। फिलहाल आत्महत्या के कारण का खुलासा नहीं हो सकता है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

भाजपा फॉर विकसित केरलम के तहत जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री और ग्वालियर में विस अध्यक्ष से की मुलाकात, कई स्थानों का किया भ्रमण

केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा : डॉ. यादव

भोपाल/ग्वालियर, देशबन्धु। ''भाजपा फॉर विकसित केरलम '' कार्यक्रम के तहत आज केरल के निकायों के जनप्रतिनिधि आज 2 दिवसीय प्रवास पर भोपाल और ग्वालियर पहुंचे। केरल के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं का किया अवलोकन किया। भोपाल आए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर डॉ. यादव से मुलाकात की। डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्षों से आने वाले समय में केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा।

इसके अलावा भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। भाजपा पदाधिकारियों ने पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय का भ्रमण कर संगठन के कार्यों को समझा। तुलसी नगर स्थित नगर निगम ग्रीन भवन का भ्रमण कर प्रस्तुतिकरण देखा। सुभाष नगर से रानी कमलापति तक मेट्रो ट्रेन का भ्रमण कर कार्यप्रणाली को समझा। स्मार्ट सिटी कमांड सेंटर का निरीक्षण, ट्रेचिंग ग्राउंड भानपुर खंती का भ्रमण भी इस दल द्वारा किया गया। इन जनप्रतिनिधियों ने ग्वालियर में फूलबाग स्थित लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद 13 सदस्यी प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर से मुलाकात कर संवाद किया। बाद में मुरार स्थित आदर्श गौशाला का भ्रमण कर जलालपुर स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट देखा और मानपुर पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का अवलोकन किया। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय मुखर्जी भवन का भ्रमण कर पार्टी पदाधिकारियों से संवाद किया। इसके बाद किला पहुंचकर लाइट एंड साउंड शो में शामिल हुए।

केरल निकायों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह

डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास में केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश की सेवा में जुटे हुए हैं। केरल के निकायों में भाजपा व एनडीए के कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में विजय यह स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि प्रधानमंत्री के प्रति केरल की जनता का अटूट विश्वास है। केरल निकायों में मिली सफलता से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, नया संकल्प और आगे बढ़ने का विश्वास और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली, योजनाओं की जानकारी, जनहित से जुड़े कार्यों और संगठन को जमीनी स्तर पर कैसे जनता की सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया जाता है जैसे विषयों पर संवाद किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

ठाकरे और राजगोपाल का अनुशरण करें कार्यकर्ता : तोमर

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर में केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा का बहुत लंबा इतिहास है। सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के पितृ पुरूष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे और ओ राजगोपाल के विचारों व कार्यों से सीखना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए बताया कि भाजपा कैसे संगठनात्मक कार्यों को करती है। एक कार्यकर्ता को कैसा जीवन व्यतीत करना चाहिए, कैसे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश और समाज के लिए कार्य करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि संवाद के दौरान मैंने जनप्रतिनिधियों को ग्वालियर नगर निगम, प्रशासनिक अनुभव, भाजपा संगठन, भाजपा सरकार के कार्यों एवं मध्यप्रदेश की समृद्धशाली, गौरवशाली ऐतिहासिक पृष्टिभूमि के संबंध में भी जानकारी दी है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद थे।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल मुंबई में वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत

मुंबई, देशबन्धु। मप्र के वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल को आज यहाँ पत्रकारिता में अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित वाग्धारा नवरत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के मुख्य आतिथ्य और और प्रदेश के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित एक गरिमामयी समारोह मे ये सम्मान दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री कोश्यारी ने विकास के साथ विरासत पर ज़ोर देते हुए कहा कि बिना भारतीय आध्यात्म और दर्शन का अध्ययन किए एआई अधूरी है.वाग्धारा के अध्यक्ष डॉ वागीश सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया और फ़िल्म जगत के युवा कलाकार रवि यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के सभागार में आयोजित इस समारोह में देश के वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव को वर्ष 2025 का वाग्धारा जीवन गौरव सम्मान% तथा जाने माने लेखक व निर्देशक रूमी जाफ़री को %वाग्धारा जूरी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया ।कालनिर्णय के जयराज सालगांवकर को भाषा सेतु, डॉ.संजय दुधाट को स्वास्थ्य व चिकित्सा, डॉ.अर्चना शर्मा (रायपुर) को विज्ञान व आधुनिक तंत्र, डॉ.कृष्णकुमार मिश्र को शिक्षा, विजय पंडित को रंगमंच, अरविंद बब्बल को सिनेमा और टेलीविजन, जयंतीमाला मिश्रा को नृत्य, नाशिक के शंकर कनौजिया एवं दतिया के आलोक सोनी को समाजसेवा के लिए वाग्धारा नवरत्न सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में अचल परिवार की ओर से श्रीमती पुष्पा शर्मा, सुधांशु शर्मा, नीतू शर्मा और आरव शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रेमी-प्रेमिका के शव कार: वहीं मयूर विहार थाने में लड़के परिजनों से गुमशुदगी दर्ज कराई। दोनों के शव थाना सेक्टर-39 के सेक्टर-107 में मिली। युवक के चचेरे भाई सचिन ने कहा कि सुमित ने रेखा के लिए 1 करोड़ का फ्लैट खरीदा था। साथ ही कई महंगे और ब्रांडेड गिफ्ट भी दिए थे। सुमित के पिता राजीव दिल्ली एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) में हेल्थ इंस्पेक्टर की नौकरी करते हैं। रेखा और सुमित की स्कूलिंग साथ हुई थी। रेखा का सुमित के घर आना-जाना था। चचेरे बड़े भाई सचिन का कहना है कि सुमित क्रिकेट के साथ पानी का प्लांट भी चलाता था। दोनों जल्द शादी करने वाले थे। लड़की के घरवालों ने उसे सुमित के खिलाफ भड़का दिया था। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। सचिन ने बताया कि सुमित ने कल दोपहर 3:39 बजे लड़की के मोबाइल पर मैसेज भेजा था, जिसमें लिखा कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। इसके बाद वह कार लेकर घर से निकल गया। रात तक वापस नहीं आया। घरवालों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। आज दोपहर खबर मिली कि उसका शव मिला है। वहीं, पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा। कार को कब्जे में ले लिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी सबूत जुटाए हैं। थाने में युवक के घरवाले पहुंचे। उनसे पूछताछ की गई।

मतदाता सूची संशोधन के नाम पर: फरवरी की शाम से लापता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उसी शाम उसे एक फोन कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को एआरओ बताते हुए एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की फोटोकॉपी के साथ स्थानीय बीएलओ से तत्काल मिलने को कहा था। घर से निकलने के बाद जब नासिर वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल फोन बंद मिला, तो परिवार ने बदुरिया थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

अगले दिन चात्रा इलाके में एक नहर के पास नासिर की मोटरसाइकिल और जूते लावारिस हालत में मिले, जिससे संदेह गहराया। जांच तेज होने पर पुलिस ने रिजवान मंडल और सागर गाइन को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को बसीरहाट उप-विभागीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान बदुरिया और आसपास के इलाकों में पुलों के नीचे तथा नहरों के किनारे तलाशी अभियान चलाया गया। इसी दौरान नासिर के शरीर के टुकड़े तीन अलग-अलग बैग में पैक कर नहर में फेंके हुए बरामद किये गये। हत्या का सटीक मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक की पत्नी ब्यूटी खातून बीबी ने कहा कि उनके पति का किसी से कोई विवाद नहीं था। उन्होंने कहा, 'रिजवान हमारे परिचित थे और मेरे पति के दोस्त माने जाते थे। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा। जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने, लापता अंगों की तलाश करने और यह जांचने के लिए कि क्या इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे, जांच जारी है।

जबलपुर के 5 श्रद्धालुओं की: पुलिस के अनुसार सभी शवों को चाकसू उपजिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार हादसे में जान गंवाने वाले पांचों लोग कटंगी रोड व मदर टेरेसा क्षेत्र के रहने वाले थे। आपस में परिचित होने के कारण धार्मिक यात्रा पर निकले थे। पीयूष राय, राहुल रजक, और अनुराग मदर टेरेसा के निवासी थी। जबकि रेश्मा श्रीवास्तव कटंगी रोड स्थित नक्षत्र नगर में निवास करती थी। परिजनों ने बताया कि अनुराग पीयूष अविवाहित था। वहीं अनुराग की शादी एक वर्ष पूर्व हुई थी। सभी ने उज्जैन महाकाल दर्शन करने का प्लान बनाया था। उज्जैन में दर्शन के बाद सभी खाटू श्याम दर्शन के लिये निकले थे और हादसे का शिकार हो गये। वहीं बताया जा रहा है कि मृतकों में शानू, रेश्मा श्रीवास्तव के भाई का बेटा है। जो सदर क्षेत्र में रहता था। वह भी इस यात्रा में शामिल था। हादसे में वह भी काल के गाल में समा गया। कटंगी रोड नक्षत्र नगर, करमेता और सदर क्षेत्र में घटना की खबर मिलते ही शोक की लहर है। मृतकों के परिजन घटना स्थल चाकसू क्षेत्र के लिये रवाना हो चुके हैं, और मृतकों के शवों को जबलपुर लाने के लिये प्रयासरत हैं। सारी कार्यवाहियों के बाद सभी शव उनके परिजनों को सौंप दिये जाऐंगे।

केन्द्रीय केबिनेट : एक लाख करोड़ के शहरी: निर्माण की ओर भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। कैबिनेट ने कहा कि यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक परिचालन में रहेगा, जिसकी कार्यान्वयन अवधि वित्त वर्ष 2033-34 तक बढ़ाई जा सकती है। यह बजट 2025-26 में घोषित सरकार के उस दृष्टिकोण को साकार करती है जिसके तहत शहरों को विकास केंद्र, शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता से संबंधित प्रस्तावों को लागू किया जाना है। इस कोष के अंतर्गत परियोजनाओं का चयन परिवर्तनकारी प्रभाव, स्थिरता और सुधार उन्मुखीकरण सहित चुनौतियों पर आधारित रूपरेखा के माध्यम से किया जाएगा।

कोष का आवंटन सुधारों, लक्ष्यों और स्पष्ट रूप से परिभाषित परिणामों से जुड़ा होगा। सुधारों की निरंतरता आगे कोष जारी करने के लिए एक पूर्व शर्त होगी। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के एकल डिजिटल पोर्टल के माध्यम से परियोजनाओं और सुधारों की कागजरहित निगरानी को सुगम बनाया जाएगा।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।